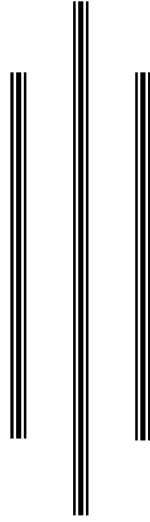


व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन

बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण
२०६४ / २०६५
(सूचना पत्र - २)



प्रारम्भ मिति :-
२०६४ साल मंसिर ३ गते सोमवार

अन्त्य मिति :-
२०६४ साल माघ २ गते बुधवार

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय
कार्यव्यवस्था शाखा
संसद्भवन, सिंहदरबार
काठमाडौं

व्यवस्थापिका-संसद

माननीय सदस्यहरुको नामावली

(वर्णानुक्रमानुसार)

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|----------------------------|---------------|-------------|
| १. | श्री अक्कलबहादुर विष्ट | अछाम | |
| २. | श्री अजयकुमार चौरसिया बरै | पर्सा | २ |
| ३. | श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह | बझाङ | १ |
| ४. | श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | पर्वत | १ |
| ५. | श्री अञ्जना विसंखे | काठमाडौं | |
| ६. | श्री अभिषेकप्रताप शाह * | कपिलवस्तु | |
| ७. | श्री अमरेशकुमार सिंह | सर्लाही | |
| ८. | श्री अमृत कुमार बोहरा | सिन्धुपाल्चोक | |
| ९. | श्री अमृता थापा | स्याङ्जा | |
| १०. | श्री अशोक कोइराला | मोरङ | |
| ११. | श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य | काठमाडौं | ६ |
| १२. | श्री असर्फी सदा | सप्तरी | |
| १३. | श्री आनन्दप्रसाद हुङ्गाना | धनुषा | ३ |
| १४. | श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | दोलखा | २ |
| १५. | श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह | सप्तरी | |
| १६. | श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | मोरङ | १ |
| १७. | श्री इन्द्रजीत थारु | दाङ | |
| १८. | श्री इलियास मुसलमान | कपिलवस्तु | |
| १९. | श्री ईश्वर पोखरेल | काठमाडौं | ३ |
| २०. | श्री उमा अधिकारी रेग्मी | चितवन | |
| २१. | श्री उमाकान्त चौधरी | बारा | १ |
| २२. | श्री उमा भुजेल | गोरखा | |
| २३. | श्री उमा वि.क. | कपिलवस्तु | |
| २४. | श्री उर्मिला अर्याल | पर्सा | ४ |
| २५. | श्री उर्वादत्त पन्त | कञ्चनपुर | |
| २६. | श्री ऋषिकेश गौतम | बारा | ३ |
| २७. | श्री ऋषिकेश तिवारी * | पर्वत | |
| २८. | श्री एकनाथ रानाभाट | चितवन | २ |
| २९. | श्री ओमप्रसाद ओझा | ताप्लेजुङ | २ |
| ३०. | श्री कमलप्रकाश सुनुवार | रामेछाप | १ |

* मा० श्री अजयप्रताप शाहको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

* मा० श्री डिल्लीराज शर्माको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|-----------------------------|----------------|-------------|
| ३१. | श्री कमला पन्त (आचार्य) | गोरखा | २ |
| ३२. | श्री कमला रोका | रुकुम | |
| ३३. | श्री कमानसिंह लामा | काभ्रेपलाञ्चोक | |
| ३४. | श्रीमती काशी पौडेल | वर्दिया | १ |
| ३५. | श्री कुन्ता शर्मा | सुनसरी | १ |
| ३६. | श्री कुमार फुदुङ्ग | तेह्रथुम | |
| ३७. | श्री कुमारी मोक्तान | मकवानपुर | |
| ३८. | श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग | ईलाम | |
| ३९. | श्री के.पी.शर्मा ओली | भापा | २ |
| ४०. | श्री केशरमान रोका | रुकुम | १ |
| ४१. | श्री केशव थापा | ईलाम | ३ |
| ४२. | श्री कैलाशनाथ कसौधन | बाँके | ३ |
| ४३. | श्री कृष्ण आचार्य | कास्की | |
| ४४. | श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | दाङ | ३ |
| ४५. | श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ | चितवन | |
| ४६. | श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार | सिराहा | |
| ४७. | श्री कृष्णप्रताप मल्ल | धनुषा | ३ |
| ४८. | श्री कृष्णप्रसाद दहाल | मकवानपुर | १ |
| ४९. | श्री कृष्णप्रसाद भट्टराई | पर्सा | १ |
| ५०. | श्री कृष्णप्रसाद सिटौला | भापा | १ |
| ५१. | श्री कृष्णबहादुर महारा | रोल्पा | |
| ५२. | श्री कृष्णलाल महर्जन | ललितपुर | २ |
| ५३. | श्री खड्गबहादुर विक | कालिकोट | |
| ५४. | श्री खिमलाल देवकोटा | कास्की | |
| ५५. | श्री खुमबहादुर खड्का | दाङ | १ |
| ५६. | श्री खेमराज भट्ट मायालु | वर्दिया | ३ |
| ५७. | श्री गमबहादुर श्रीश मगर | म्याग्दी | |
| ५८. | श्री गणेश शाह | धनुषा | |
| ५९. | श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला | सुनसरी | ५ |
| ६०. | श्री गेहेन्द्र गिरी | दाङ | ४ |
| ६१. | श्री गोकर्णराज विष्ट | गुल्मी | ३ |
| ६२. | श्री गोपालप्रसाद कोइराला | भापा | ६ |
| ६३. | श्री गोपालमान श्रेष्ठ | स्याङ्जा | २ |
| ६४. | श्री गोविन्द थारु | वर्दिया | |
| ६५. | श्री गोरखबहादुर वोगटी | हुम्ला | - |
| ६६. | श्री गोविन्दबहादुर शाह | अछाम | १ |
| ६७. | श्री गोविन्दराज जोशी | तनहुँ | १ |

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|-----------------------------------|------------|-------------|
| ६८. | श्री गोविन्दविक्रम शाह | जाजरकोट | १ |
| ६९. | श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | सिन्धुली | |
| ७०. | डा. गंगाधर लम्साल | चितवन | ३ |
| ७१. | श्री गंगाप्रसाद नेपाल | सिन्धुली | १ |
| ७२. | श्री घनेन्द्र बस्नेत | भोजपुर | १ |
| ७३. | श्री चक्रप्रसाद वास्तोला | भापा | ४ |
| ७४. | श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | भापा | |
| ७५. | श्री चन्द्रबहादुर शाही | मुगु | - |
| ७६. | श्री चन्द्रमणि खराल | नवलपरासी | २ |
| ७७. | श्री चिनक कुर्मी | नवलपरासी | |
| ७८. | श्री चिरञ्जीवी वाग्ले | गोरखा | १ |
| ७९. | श्री चित्रबहादुर के.सी. | बाग्लुङ | २ |
| ८०. | श्रीमती चित्रलेखा यादव | सिराहा | २ |
| ८१. | श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | कास्की | |
| ८२. | श्री जगदीशप्रसाद साह | सप्तरी | ४ |
| ८३. | श्री जगन्नाथ खतिवडा | उदयपुर | २ |
| ८४. | श्री जग्यबहादुर शाही | दैलख | |
| ८५. | श्री जनकराज गिरी | बाजुरा | - |
| ८६. | श्री जनार्दन शर्मा | रुकुम | |
| ८७. | श्री जयपुरी घर्ती मगर | रोल्पा | |
| ८८. | श्री जयन्ति राई | भोजपुर | |
| ८९. | श्री भलनाथ खनाल | ईलाम | |
| ९०. | श्री टीका बुढाथोकी | सल्यान | |
| ९१. | श्री टुकराज सिग्देल | तनहुँ | ३ |
| ९२. | श्री टेकबहादुर चोखाल | कैलाली | ४ |
| ९३. | श्री टंक आम्बोहाङ लिम्बु | ताप्लेजुङ | |
| ९४. | श्री टंकप्रसाद राई | संखुवासभा | १ |
| ९५. | श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल | बाग्लुङ | १ |
| ९६. | श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे | पाँचथर | २ |
| ९७. | श्री डिलाराम आचार्य | अर्घाखाँची | १ |
| ९८. | श्री डिल्लीराज खनाल | अर्घाखाँची | २ |
| ९९. | श्री तारानाथ रानाभाट | कास्की | १ |
| १००. | श्री तारासम यङ्ग्या | भापा | ५ |
| १०१. | श्री तारिणीदत्त चटौत | कञ्चनपुर | २ |
| १०२. | श्री तिलक परियार | बाँके | |
| १०३. | श्री तीर्थराम डङ्गोल | काठमाडौँ | ७ |
| १०४. | श्री तीर्था गौतम | रुकुम | २ |

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|----------------------------------|-----------------|-------------|
| १०५. | श्री तीलकुमार मेन्याडवो (लिम्बु) | ताप्लेजुङ | १ |
| १०६. | श्री दानबहादुर चौधरी | कपिलवस्तु | १ |
| १०७. | श्री दामा शर्मा | दाङ | |
| १०८. | श्री दामोदर वस्ताकोटी | नवलपरासी | १ |
| १०९. | श्री दिपकबहादुर गुरुङ | कास्की | |
| ११०. | श्री दिलबहादुर लामा | रसुवा | - |
| १११. | श्री दिलीप महर्जन | काठमाडौं | |
| ११२. | श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु | दार्चुला | - |
| ११३. | श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ | जुम्ला | |
| ११४. | श्री दीनानाथ शर्मा | बाग्लुङ | |
| ११५. | श्री दुर्गा लिंखा | धनकुटा | १ |
| ११६. | श्री दुर्योधन सिंह | रुपन्देही | १ |
| ११७. | श्री देवप्रसाद गुरुङ | मनाङ | |
| ११८. | श्री देवी खड्का | दोलखा | |
| ११९. | श्री देवीलाल थापा | जुम्ला | - |
| १२०. | श्री देवेन्द्रराज कडेल | नवलपरासी | ४ |
| १२१. | श्री धर्मनाथप्रसाद साह | सिराहा | ५ |
| १२२. | श्री धर्मशिला चापागाई | भापा | |
| १२३. | श्री नन्दकुमार प्रसाई | भापा | |
| १२४. | श्री नन्द सिंह सार्की | डडेलधुरा | |
| १२५. | श्री नरबहादुर हमाल | दैलेख | १ |
| १२६. | श्री नरेन्द्रकुमार चौधरी * | सुनसरी | |
| १२७. | श्री नरेन्द्रबहादुर बम | बैतडी | १ |
| १२८. | श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ | भापा | ३ |
| १२९. | श्री नवराज सुवेदी | प्यूठान | २ |
| १३०. | श्री नागेन्द्र भा * | सप्तरी | |
| १३१. | श्री नागेन्द्रकुमार राय | सर्लाही | ४ |
| १३२. | श्री नारायणप्रकाश साँउद | कञ्चनपुर | १ |
| १३३. | श्री नारायणप्रसाद दाहाल | चितवन | |
| १३४. | श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | दाङ | |
| १३५. | श्री नारायणमान विजुक्छे | भक्तपुर | १ |
| १३६. | श्री नारायणशर्मा पौड्याल | चितवन | ४ |
| १३७. | श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ | भक्तपुर/ललितपुर | |
| १३८. | श्री पदमबहादुर राई | भोजपुर | |

* मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

* मा० श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ताको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|------------------------------|---------------|-------------|
| १३९. | श्री पदमलाल विश्वकर्मा | ईलाम | |
| १४०. | श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी | बाँके | |
| १४१. | श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग | संखुवासभा | २ |
| १४२. | श्री परशुराम रम्तेल | गोरखा | |
| १४३. | श्री परी थापा | बाग्लुङ | ३ |
| १४४. | श्री पशुपति चौलागाईं | दोलखा | १ |
| १४५. | श्री पशुपतिशमशेर ज.ब.रा | सिन्धुपाल्चोक | ३ |
| १४६. | श्री पार्वती चौधरी | कैलाली | |
| १४७. | श्री पारोदेवी यादव | सिराहा | |
| १४८. | श्री पाल्तेन गुरुङ | मनाङ | - |
| १४९. | श्री पुरन राना थारु | कञ्चनपुर | |
| १५०. | श्री पुष्करनाथ ओझा | कैलाली | ३ |
| १५१. | श्री पूर्णबहादुर खड्का | सुर्खेत | १ |
| १५२. | श्री पूर्णसिंह राजवंशी | भापा | |
| १५३. | श्री पूणकुमारी सुवेदी | बाँके | |
| १५४. | श्री प्रकाश ज्वाला | सल्यान | १ |
| १५५. | श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ | कास्की | ३ |
| १५६. | श्री प्रकाशमान सिंह | काठमाडौं | |
| १५७. | डा. प्रकाश शरण महत | नुवाकोट | |
| १५८. | श्री प्रभु शाह | रौतहट | |
| १५९. | श्री प्रदिप गिरी | सिराहा | |
| १६०. | श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली | गुल्मी | २ |
| १६१. | श्री प्रदीप नेपाल | काठमाडौं | १ |
| १६२. | श्री प्रेमलाल सिंह | काठमाडौं | ४ |
| १६३. | श्री फटिकबहादुर थापा | गुल्मी | १ |
| १६४. | श्री फरमुलाह मंसुर | बारा | ४ |
| १६५. | श्री फुर्वी शेर्पा | संखुवासभा | |
| १६६. | श्री बलदेव शर्मा | दाङ | २ |
| १६७. | श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री) | सोलुखुम्बु | - |
| १६८. | श्री बलबहादुर राई | ओखलढुङ्गा | |
| १६९. | श्री बलावती शर्मा | बाग्लुङ | |
| १७०. | श्री बिरोध खतिवडा | मकवानपुर | २ |
| १७१. | श्री बुद्धिमान माझी | सिन्धुली | |
| १७२. | श्री बेदुराम भुसाल | कपिलवस्तु | |
| १७३. | श्री बेनुपराज प्रसाईं | ईलाम | १ |
| १७४. | डा. बंशीधर मिश्र | रौतहट | ३ |
| १७५. | श्री भगवती प्रधान | सिन्धुपाल्चोक | |

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|--------------------------------|---------------|-------------|
| १७६. | श्री भक्तबहादुर बलायर | डोटी | १ |
| १७७. | श्री भक्तबहादुर शाह | जाजरकोट | |
| १७८. | श्री भद्रबहादुर थापा | पाल्पा | १ |
| १७९. | श्री भरतप्रसाद शाह | महोत्तरी | |
| १८०. | श्री भरतकुमार शाह | रुपन्देही | ४ |
| १८१. | श्री भरतमोहन अधिकारी | मोरङ | २ |
| १८२. | श्री भरतविमल यादव | महोत्तरी | |
| १८३. | श्री भिमबहादुर तामाङ्ग | दोलखा | |
| १८४. | श्री भिक्षु आनन्द | काठमाडौं | |
| १८५. | श्री मञ्जु बम | बैतडी | |
| १८६. | श्री मणि खुम्बु | उदयपुर | |
| १८७. | श्री मल्ल के सुन्दर | काठमाडौं | |
| १८८. | श्री महादेव गुरुङ | कास्की | २ |
| १८९. | श्री महेन्द्र पासवान | सिराहा | |
| १९०. | श्री महेन्द्रकुमार राय | महोत्तरी | ४ |
| १९१. | श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे | नुवाकोट | ३ |
| १९२. | श्री महेन्द्र यादव | महोत्तरी | १ |
| १९३. | श्री महेश आचार्य | मोरङ | ५ |
| १९४. | श्री मातृकाप्रसाद यादव | धनुषा | |
| १९५. | श्री माधवकुमार नेपाल | रौतहट | १ |
| १९६. | श्री मिठाराम विश्वकर्मा | पर्वत | |
| १९७. | डा. मिनेन्द्र रिजाल | मोरङ | |
| १९८. | सुश्री मैयादेवी श्रेष्ठ | चितवन | |
| १९९. | श्री मो. अफताव आलम | रौतहट | २ |
| २००. | श्री मोतीदेवी चौधरी | बर्दिया | |
| २०१. | श्री मोहनबहादुर बस्नेत | सिन्धुपाल्चोक | १ |
| २०२. | श्री मंगलप्रसाद थारु | बर्दिया | २ |
| २०३. | श्री मंगल विश्वकर्मा | सुर्खेत | |
| २०४. | डा० मंगलसिद्धि मानन्धर | काठमाडौं | ५ |
| २०५. | श्री यज्ञजीत शाह | रुपन्देही | ५ |
| २०६. | श्री यज्ञराज पाठक | डोटी | |
| २०७. | श्री यादवबहादुर रायमाभी | पाल्पा | ३ |
| २०८. | श्री योगनारायण यादव | धनुषा | २ |
| २०९. | श्री रघुजी पन्त | ललितपुर | ३ |
| २१०. | श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने | जाजरकोट | २ |
| २११. | श्री रमेश लेखक | कञ्चनपुर | ३ |

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|-----------------------------|----------------|-------------|
| २१२. | श्री रवीन्द्र बैठा * | सर्लाही | |
| २१३. | श्री राजेन्द्र खरेल | काभ्रेपलाञ्चोक | ३ |
| २१४. | श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी | नुवाकोट | १ |
| २१५. | श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | धादिङ | ३ |
| २१६. | श्री राजेन्द्र महतो | सर्लाही | २ |
| २१७. | श्री राधेश्याम अधिकारी | काठमाडौं | |
| २१८. | श्री राम आश्रय राम | पर्सा | |
| २१९. | श्री रामकुमार चौधरी | सप्तरी | २ |
| २२०. | श्री रामकुमारी यादव | धनुषा | |
| २२१. | श्री रामकृष्ण ताम्राकार | रुपन्देही | २ |
| २२२. | श्री रामचन्द्र तिवारी | महोत्तरी | २ |
| २२३. | श्री रामचन्द्र पौडेल | तनहुँ | २ |
| २२४. | श्री रामचन्द्र यादव | सिराहा | १ |
| २२५. | श्री रामचरण चौधरी थारु | बर्दिया | |
| २२६. | श्री रामजनम चौधरी | कैलाली | २ |
| २२७. | श्री रामजीवन सिंह | महोत्तरी | |
| २२८. | श्री रामनाथ अधिकारी | धादिङ | २ |
| २२९. | श्री रामप्रीत पासवान | सप्तरी | |
| २३०. | श्री रामबहादुर गुरुङ | लमजुङ | १ |
| २३१. | श्री रामबहादुर बिष्ट | अछाम | २ |
| २३२. | श्री रामलोटन तिवारी | कपिलवस्तु | |
| २३३. | डा. रामवरण यादव | धनुषा | ५ |
| २३४. | डा. रामशरण महत | नुवाकोट | २ |
| २३५. | श्री रामहरि हुङ्गेल | रामेछाप | २ |
| २३६. | श्री रासनारायण राय * | सर्लाही | |
| २३७. | श्री रिजवान अन्सारी | सर्लाही | |
| २३८. | श्री रिमा नेपाली | रोल्पा | |
| २३९. | श्री रुपा चौधरी | कैलाली | |
| २४०. | श्री रुपा वि.क. | पाल्पा | |
| २४१. | श्रीमती रेणुकुमारी यादव | सप्तरी | ३ |
| २४२. | श्री रोमी गौचन थकाली | मुस्ताङ | - |
| २४३. | श्री रंगनाथ जोशी | बर्दिया | |
| २४४. | श्री लक्ष्मण राय * | सर्लाही | |

* मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादवको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

* मा० श्री रामचन्द्र रायको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

* मा० श्री महन्थ ठाकुरको स्थानमा मनोनयनका लागि सम्बन्धित दलबाट लेखी आएको व्यहोरा २०६४ साल पुस २६ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा जानकारी गराइएको ।

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|-----------------------------|----------------|-------------|
| २४५. | श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता | सुनसरी | ३ |
| २४६. | श्री लक्ष्मीदास मानन्धर | काठमाडौं | |
| २४७. | श्री ललितकुमार बस्नेत | मकवानपुर | |
| २४८. | श्री लालबाबु पण्डित | मोरङ | ३ |
| २४९. | श्री लिला न्याइच्याई | | |
| २५०. | श्री लीलामणि पोखरेल | सिन्धुली | ३ |
| २५१. | श्री लेखनाथ आचार्य | रोल्पा | १ |
| २५२. | श्री लेखनाथ न्यौपाने | भक्तपुर | २ |
| २५३. | श्री लेखराज भट्ट | कैलाली | |
| २५४. | श्री लोकेन्द्र विष्ट | रुकुम | |
| २५५. | श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ | पाँचथर | १ |
| २५६. | श्री वामदेव गौतम | बर्दिया | |
| २५७. | श्री वामदेव क्षेत्री | रुपन्देही | |
| २५८. | श्री विजयकुमार गच्छदार | सुनसरी | २ |
| २५९. | श्री विजय सुब्बा | तेह्रथुम | - |
| २६०. | श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी | काठमाडौं | २ |
| २६१. | श्री विनयध्वज चन्द्र | बैतडी | २ |
| २६२. | श्री विनोदकुमार उपाध्याय | रुपन्देही | |
| २६३. | श्री विमलेन्द्र निधि | धनुषा | |
| २६४. | श्री वीरबहादुर लामा | मकवानपुर | ३ |
| २६५. | श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया | कपिलवस्तु | ३ |
| २६६. | श्री शरतसिंह भण्डारी | महोत्तरी | ३ |
| २६७. | श्री शान्ता श्रेष्ठ | काठमाडौं | |
| २६८. | श्री शान्ति पाख्रिन | दोलखा | |
| २६९. | श्री शालिकराम जम्कटेल | धादिङ | |
| २७०. | श्री शिला यादव | बारा | |
| २७१. | श्री शिवकुमार बस्नेत | खोटाङ | २ |
| २७२. | श्री शिवकुमार मण्डल | मोरङ | |
| २७३. | श्री शिवप्रसाद हुमागाई | काभ्रेपलाञ्चोक | २ |
| २७४. | श्री शिवबहादुर देउजा | काभ्रेपलाञ्चोक | १ |
| २७५. | श्री शिवराज जोशी | दैलेख | २ |
| २७६. | श्री शिवराज जोशी | सुर्खेत | ३ |
| २७७. | श्री शुभाष कर्माचार्य | सिन्धुपाल्चोक | २ |
| २७८. | श्री शेरधन राई | भोजपुर | २ |
| २७९. | श्री शेरबहादुर देउवा | डडेल्धुरा | - |
| २८०. | श्री शोभा कट्टेल | चितवन | |
| २८१. | श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | सिन्धुली | २ |

| क्र सं. | नाम थर | जिल्ला | क्षेत्र नं. |
|---------|-------------------------------|-----------|-------------|
| २८२. | श्री शंकरप्रसाद पाण्डे | स्याङ्जा | ३ |
| २८३. | श्री सत्यनारायण भगत वीन | रौतहट | |
| २८४. | श्री सत्य पहाडी | डोल्पा | |
| २८५. | श्री सन्तोष कुमार बुढामगर | रोल्पा | |
| २८६. | श्री सरला रेग्मी | बर्दिया | |
| २८७. | श्री सरस्वती चौधरी | सप्तरी | |
| २८८. | श्री सरस्वती मोहरा | दैलेख | |
| २८९. | श्री सर्वधन राई | खोटाङ | १ |
| २९०. | श्री सावित्री गुरुङ | तनहुँ | |
| २९१. | श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक) | चितवन | १ |
| २९२. | श्री सितादेवी यादव | सिराहा | |
| २९३. | श्री सिद्धराज ओझा | डोटी | २ |
| २९४. | श्री सीता वि.क. | प्यूठान | |
| २९५. | श्रीमती सुजाता कोइराला | सुनसरी | |
| २९६. | श्री सुदर्शन बराल मगर | गुल्मी | |
| २९७. | श्री सुनिल प्रजापति | भक्तपुर | |
| २९८. | श्री सुभाष नेम्वाङ्ग | ईलाम | २ |
| २९९. | श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी | पर्सा | ३ |
| ३००. | श्री सुरेन्द्र हमाल | रोल्पा | २ |
| ३०१. | श्री सुरेशकुमार आले मगर | तनहुँ | |
| ३०२. | श्री सुरेशकुमार कार्की | उदयपुर | १ |
| ३०३. | श्री सुरेश मल्ल | बझाङ | २ |
| ३०४. | श्री सुशील कोइराला | बाँके | २ |
| ३०५. | श्री सुशीला नेपाल | ललितपुर | १ |
| ३०६. | सुश्री सुशीला स्वाँर | कैलाली | १ |
| ३०७. | श्री सूर्यप्रसाद प्रधान | रुपन्देही | ३ |
| ३०८. | श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव | सप्तरी | |
| ३०९. | श्री सूर्यबहादुर थापा | धनकुटा | २ |
| ३१०. | श्री सूर्यमान दोड तामाङ | काभ्रे | |
| ३११. | श्री सोमप्रसाद पाण्डेय | पाल्पा | २ |
| ३१२. | श्री सोहनप्रसाद चौधरी | बारा | २ |
| ३१३. | श्री स्मृतिनारायण चौधरी | धनुषा | १ |
| ३१४. | श्री हर्कमान तामाङ | मोरङ | ४ |
| ३१५. | श्री हरि आचार्य | प्यूठान | १ |
| ३१६. | श्री हरि रोका | खोटाङ | |
| ३१७. | श्री हरिनारायण चौधरी | मोरङ | ६ |
| ३१८. | श्री हरिप्रसाद सापकोटा | सुनसरी | ४ |

व्यवस्थापिका-संसद

तेस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर ३ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशनको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्रीबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (१) बमोजिम सम्बत् २०६४ साल मंसिर ३ गते सोमवारका दिन दिनको १५.०० बजे व्यवस्थापिका-संसद भवन, सिंहदरवारमा व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशन आह्वान गरेको छ ।

गिरिजाप्रसाद कोइराला
प्रधानमन्त्री

मिति :- २०६४ असोज २९ गते मंगलवार

तदुपरान्त लोकतन्त्र र प्रजातन्त्र प्राप्तिका लागि जीवन उत्सर्ग गर्ने ज्ञात अज्ञात शहिदहरु प्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण गर्न सभाले २ मिनेट उठेर मौन धारण गर्‍यो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले सभाको तेस्रो अधिवेशनको पहिलो बैठकमा पाल्नुभएका सबै दलका मा० सदस्यहरुलाई हार्दिक स्वागत गर्दै आजदेखि प्रारम्भ भएको व्यवस्थापिका-संसदको यो तृतीय अधिवेशन तर्फ सबै जनताको ध्यान आकर्षित रहेको परिप्रेक्षमा मुलुकलाई एक ढिक्का बनाएर अगाडि बढाउन यस अधिवेशनले सुनिश्चित आधार तयार गर्ने विश्वास नेपाली जनताले लिएका छन्, देशलाई अग्रगमनतर्फ अगाडि बढाउन सिंगो मुलुक नै एकिकृत हुनुको विकल्प नरहेको बताउँदै सो दिशामा अधिवेशन फलदायी हुने आशा व्यक्त गर्दैछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री को तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “नेपाल ट्रष्ट अध्यादेश, २०६४” र “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) अध्यादेश, २०६४” पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदका निवर्तमान महासचिव श्री सूर्य किरण गुरुङ्गले मा० सभामुख मार्फत मा० प्रधानमन्त्री समक्ष मिति २०६४ साल कार्तिक २० गते देखि लागू हुने गरी दिनुभएको राजीनामा प्रधानमन्त्रीको निजी सचिवालयबाट मा० प्रधानमन्त्रीले राजीनामा स्वीकृत गर्नु भएको व्यहोराको मिति २०६४ साल कार्तिक ३० गतेको पत्र प्राप्त हुन आएकोले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २७० बमोजिम उक्त रिक्त महासचिव पदमा सभामुखबाट यस सचिवालयका सचिव श्री मनोहरप्रसाद भट्टराईलाई अर्को व्यवस्था नभए सम्मका लागि मिति २०६४ साल मार्ग २ गते देखि व्यवस्थापिका-संसदको कार्यवाहक महासचिव पदमा नियुक्त गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्य श्री अजयप्रताप शाहको निधन भएकोमा निम्नलिखित शोक प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुहुँदा सभाले सहमति जनायो ।

शोक प्रस्ताव

“व्यवस्थापिका-संसदको यो बैठक राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीको तर्फबाट व्यवस्थापिका-संसदमा कपिलवस्तु जिल्ला, क्षेत्र नं. ४ बाट प्रतिनिधित्व गर्नु भएका मा० सदस्य श्री अजयप्रताप शाहको मिति २०६४ भदौ २६ गतेका दिन भारतको लखनऊमा उपचारको क्रममा असामयिक निधन भएकोमा गहिरो शोक प्रकट गर्दैछु र उहाँको दिवंगत आत्माको चिरशान्तिको कामना गर्दै शोक-सन्तप्त परिवारप्रति समवेदना प्रकट गर्दैछु ।”

तत्पश्चात सभाले स्वर्गीय श्री अजयप्रताप शाहको आत्माको चीर शान्तिको लागि उठेर १ मिनेट मौन धारण गर्‍यो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर १३ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

तेस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २ र ३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर १३ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले महिला घरेलु हिंसा विरुद्धको १७ औं अन्तराष्ट्रिय दिवसको अवसरमा आ-आफ्नो भनाई राख्दै यस अन्तराष्ट्रिय दिवसको उपलक्ष्यमा महिला हिंसा विरुद्धको १६ दिने अभियान सम्बन्धी कार्यक्रमलाई सबै मिलेर सफल पार्नुपर्ने, घरेलु हिंसा नियन्त्रण सम्बन्धी विधेयक छिटो ल्याउनुपर्ने, पारिवारिक अदालतको व्यवस्था गर्नुपर्ने, दाइजो लगायत सामाजिक विकृति र विभेद रोक्न सामाजिक सुधार ऐनको कार्यान्वयन गर्नुपर्ने र राष्ट्रिय महिला आयोगलाई स्वायत्तता दिनुपर्ने जस्ता मागहरू राख्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य |
| ३. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी | ४. मा० श्री अञ्जना विशंखे |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| ७. मा० श्री सुशीला नेपाल | ८. मा० श्री टीका बुढाथोकी |
| ९. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले लैङ्गिक हिंसा प्रत्येक दृष्टिकोणले निन्दा र भर्त्सना योग्य छ । लैङ्गिक हिंसालाई दण्डनिय बनाउँदै नियन्त्रण गरिनुपर्छ भन्ने बारेमा विवाद छैन । आज माननीय सदस्यहरूले यस सम्बन्धमा गम्भिर प्रश्न उठाउनु भएको छ । म यसतर्फ सरकारको अविलम्ब गम्भिर ध्यानाकर्षण गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्रहरू पढेर सुनाउनु भयो ।

माननीय उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री राजेन्द्र महतोले आफ्नो पदबाट दिनुभएको राजीनामा सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा(८) को खण्ड (क) बमोजिम स्वीकृत गर्नुभई रिक्त हुन आएको उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयको कार्यभार अर्को व्यवस्था नभएसम्मका लागि माननीय गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४।६।१३

डा० भोजराज घिमिरे
मुख्यसचिव

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले मौजूदा मन्त्रिपरिषद्मा आज सम्बत् २०६४ साल मंसिर ४ गते रोज ३ का दिन श्री श्यामसुन्दर गुप्तालाई मन्त्री पदमा नियुक्ति गरी उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४।८।४

डा० भोजराज घिमिरे
मुख्यसचिव

त्यसपछि कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री भक्तबहादुर बलायरले “मुलुकी (वाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आजै आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले वाइसिएलले विभिन्न व्यक्तिको अपहरण गर्ने गरेको, राजधानी लगायत अन्य जिल्लाहरूमा सरकारी तथा निजी घर तथा जग्गाहरू कब्जामा लिने कार्य गरेको, कानून हातमा लिएर समातिएको रक्तचन्दन जलाउने कार्य गरेको, सरकारले नेपालको अन्तरिम संविधानको व्यवस्था उल्लंघन गरेर उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री नियुक्त गरेको र शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्रालयले सेनाद्वारा मारिएका मजदुर र अन्य परिवारलाई क्षतिपूर्ति नदिएको तर माओवादी पिडित हरुलाई भने क्षतिपूर्ति दिइरहेको र सरकारले देशमा शान्तिसुरक्षा कायम राख्न नसकेको भन्ने सम्बन्धमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेल | २. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत |
| ३. मा० श्री होमनाथ दाहाल | ४. मा० श्री भरतविमल यादव |
| ५. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | |

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री घनेन्द्र बस्नेत |
| ३. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ४. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ र २ मा उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ र २ मा उल्लेखित संशोधनहरू “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर १६ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

तेस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर १६ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले संविधानमा किटानी गरिएका विषयहरू पालना नहुँदा आम जनता असमाञ्जस्यमा परि रहेका छन् भन्ने सम्बन्धमा, तराईमा विभिन्न सशस्त्र समूह एवं विभिन्न धार्मिक अतिवादीहरू विखण्डनकारी गतिविधिमा क्रियाशील रहेको तर्फ सरकार सजग रहनु पर्ने सम्बन्धमा, विशेष अधिवेशनद्वारा पारित एवं मुलुकलाई रुपान्तरण गर्न अपरिहार्य रहेका दुबै प्रस्तावहरू सरकारले तुरुन्त कार्यान्वयन गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, समान अधिकारको लागि मात्र मधेशको आन्दोलन चलिरहेको हो भन्ने सम्बन्धमा, अन्तरिम संविधान संशोधन विधेयक मंसिर महिना भित्रै दर्ता गरी छलफलमा ल्याइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, महिला हिंसा विरुद्धमा विश्वव्यापी आवाज उठिरहेको पृष्ठभूमिमा महिला आय आर्जन कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिनुपर्ने सम्बन्धमा, द्वन्द्वरत अवस्थामा जागीर नछोडेमा भौतिक कारवाही गर्ने धम्कीका कारणले घर बस्न बाध्य भएका सुरक्षाकर्मीहरूलाई भगौडाको संज्ञा नदिई पुर्ननियुक्ति गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, कुनैपनि राजनीतिक दलका कार्यकर्ता तथा भातृ संगठनहरूबाट कुनैपनि राजनीतिक दलका कार्यकर्ताहरू प्रताडित हुन नहुने सम्बन्धमा, देशका विभिन्न स्थानमा वाई.सी.एल. बाट विद्यालय संचालक समितिलाई धम्की दिएर विद्यालय संचालनमा हस्तक्षेप भैरहेको सम्बन्धमा र राज्यमा कर्मचारी एवं सर्वसाधारण जनताले आत्मसुरक्षाको अनुभूति नपाइरहेको सम्बन्धमा आ-आफ्नो भनाइ राख्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | २. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| ३. मा० श्री तिलक परियार | ४. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| ७. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | ८. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ९. मा० श्री हरिभक्त अधिकारी | १०. मा० श्री टुकराज सिग्देल |

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक र सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर १९ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ५ र ६
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर १९ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्बाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो बनाई राख्दै दुईतर्फको बन्दुकको त्रासबाट नेपाली जनताले बाँच्नुपर्ने अवस्था नआओस् भन्ने सम्बन्धमा, विस्तृत शान्ति सम्झौतामा उल्लेख गरिएका आधारहरू तयार गरि द्वन्द्व व्यवस्थापनमा पहल गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, व्यवस्थापिका-संसदमा रहेका समितिका सभापतिहरूको निर्वाचन तुरुन्त गरिनु पर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, ICRC ले वेपत्ता नागरिकको सम्बन्धमा तयार गरेको प्रतिवेदन कार्यान्वयन गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, नेपाल आयल निगमको आम्दानी खर्च पारदर्शी र नियमित नभएको कारणले तेल आपूर्तिमा समस्या देखापरेको छ भन्ने सम्बन्धमा, माओवादी नेताको पछिल्लो अभिव्यक्तिले मुलुकको राजनीतिमा आश्चर्यजनक त्रिपक्षीय ध्रुविकरण हुने संकेत देखिएको र आवश्यक परे राजा नजिकका राष्ट्रवादीहरूसंग पनि कार्यगत एकता गर्नुपर्ने हुन्छ भन्नुको औचित्य र आधारका सम्बन्धमा माओवादी नेताले स्पष्ट पार्नुपर्ने सम्बन्धमा, नवलपरासीको सुस्ता लगायत देशका विभिन्न स्थानमा भारतले हजारौं विगाहा नेपाली भूमि अतिक्रमण गरिरहँदा पनि नेपाल सरकारको ध्यान नगएको र विगतमा सिमा अतिक्रमणको सम्बन्धमा संसदीय समितिले पेश गरेको स्थलगत प्रतिवेदन तुरुन्त कार्यान्वयन गरिनुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, अपाङ्गता सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासन्धीलाई नेपालले पनि अनुमोदन गरोस भन्ने सम्बन्धमा, धेरै दिनसम्म मुलुक राजनैतिक अनिर्णयको बन्दि बनिरहँदा पुनरुत्थान बादीहरूले अवसर पाउन सक्नेछन् भन्ने सम्बन्धमा र शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्रालयको शान्ति कोषको रकम दुरुपयोग भैरहेको छ भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|-----------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री राजेन्द्र खरेल | २. मा० श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली |
| ३. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | ४. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री नवराज सुवेदी | ८. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद बडु |
| ९. मा० श्री चन्द्रमणी खराल | १०. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ११. मा० श्री उर्मिला अर्याल | १२. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत |
| १३. मा० श्री रिजवान अन्सारी | १४. मा० श्री कमानसिंह लामा |

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्बाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको २:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा अनुरोध गर्नुभयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी | २. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ३. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ४. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| ५. मा० श्री अमृता थापा | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |

त्यसपछि मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा अनुरोध गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| ३. मा० श्री कुमार फुदुङ | |

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा अनुरोध गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने | २. मा० श्री मोतिदेवी चौधरी |
| ३. मा० श्री कुन्ता शर्मा | ४. मा० श्री उर्मिला अर्याल |
| ५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | |

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर २३ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ७
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर २३ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै ग्रामिण महिला परिचारिकाहरूको जायज मागहरूप्रति सरकारले ध्यान दिनुपर्ने सम्बन्धमा, सात राजनैतिक दल लगायत व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्ने अन्य दलहरूसँग गठबन्धन गरी मुलुकलाई निकास दिनुपर्ने समयमा बाहिरका शक्तिहरूलाई बढावा दिनु उचित नभएको भन्ने सम्बन्धमा, मंसिर महिनाभित्र सविधान संशोधनको प्रस्ताव ल्याउन सदनबाट सरकारलाई रुलिङ्ग हुनुपर्ने सम्बन्धमा, राजनैतिक मामिलामा अनावश्यक विदेशी हस्तक्षेपले राष्ट्रियता पराजित हुनसक्ने अवस्था आउन सक्छ भन्ने सम्बन्धमा, दलहरूबीच साझा सहमति निर्माण गर्न जिल्लास्तरमा पनि संयन्त्र तयार गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, नेपालको सीमा नजिक भारतले राजमार्ग निर्माण गरेमा नेपाललाई धेरै नकारात्मक असर पर्नसक्ने सम्बन्धमा, शैक्षिक गणतान्त्रिक मञ्चले शिक्षासँग सम्बद्ध माग राखी शैक्षिक हडताल जारी राखेको सम्बन्धमा, व्यवस्थापिका-संसदको काम कारवाही विहारी शैलीमा अगाडि बढिरहेको छ भन्ने सम्बन्धमा, विशेष अधिवेशनले पारित गरेका दुबै प्रस्तावहरू कार्यान्वयन गर्न सरकारले पहल गरोस् भन्ने सम्बन्धमा, अहिलेको अवस्थामा जिम्मेवार नेताहरूबाट राजतन्त्रको पक्षमा वकालत गर्न उचित नभएको भन्ने सम्बन्धमा र वाइ.सी.एल.ले पेशाकर्मी एवं पदयात्रामा रहेका विदेशी नागरिकलाई चन्दा नदिएको निहुँमा कुटपिट जारी राखेको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|---------------------------------|--|
| १. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ्ग | ४. मा० श्री असर्फी सदा |
| ५. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | ६. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ७. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | ८. मा० श्री शिवबहादुर देउजा |
| ९. मा० श्री दामा शर्मा | १०. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर २५ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ८
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर २५ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदमा विभिन्न दलबाट प्रतिनिधित्व गर्नुहुने निम्नलिखित चार जना मा० सदस्यहरूले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २२७ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट दिनुभएको राजिनामा सम्बन्धी एउटै व्यहोराको पत्रहरू प्राप्त भएकोले उक्त पत्रहरू मध्ये एउटा पत्रको व्यहोरा मात्र पढेर सुनाउनु भयो ।

- | | |
|---------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री महन्थ ठाकुर | नेपाली काँग्रेस |
| २. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव | ने.क.पा. एमाले |
| ३. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी | नेपाल सद्भावना पार्टी (आनन्दीदेवी) |
| ४. मा० श्री रामचन्द्र राय | राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी |

पत्रको व्यहोरा

देश युगान्तकारी परिवर्तनको संघारमा उभिएको छ । जनआन्दोलन-२ को सफलता र वृहत् शान्ति सम्झौता पश्चात् निःसन्देह देशका उपेक्षित, उत्पिडित मधेशी समुदाय, आदिवासी-जनजाती, दलित र महिलाले समानता र सामाजिक न्यायको आधारमा परिणाममूलक उपलब्धिको अपेक्षा गरेका थिए तर नियतवश त्यस्तो हुनसकेन फलस्वरूप बलिदानीपूर्ण र अभूतपूर्व तराई-मधेश विद्रोह न्यून उपलब्धिमा सिमित रहयो । शहिद घोषणा गरी सम्मानित गर्नु पर्ने महत्वपूर्ण कार्यमा संकीर्णता प्रदर्शन गरियो । घाइतेहरू अध्यावधि बेसहारा नै छन् । सरकारको विभेदपूर्ण चिन्तन र कृत्याकलापबाट तराईवासी -मधेशी समुदाय क्षुब्ध र आक्रोशित अवस्थामा छ । संसदीय संघर्षबाट प्राप्त निर्वाचनक्षेत्र निर्धारण आयोगको प्रतिवेदन बुझ्ने र सार्वजनिक गर्ने कार्य समेत व्यवस्थापिका-संसदको बैठकको समाप्ती पछि मात्र गरिनुले व्यवस्थापिका-संसदको भूमिका र प्रतिष्ठा माथि समेत आघात पुगेको छ । तर आश्चर्य व्यवस्थापिका-संसद निरीह बनेको छ र मधेश आन्दोलनको विषयलाई सम्बोधन गर्न पुर्णतया असक्षम प्रमाणित भएको छ ।

तराई-मधेशमा विभिन्न समूहहरू संघर्षरत छन् तर सरकारले सार्थक र इमान्दार वार्ता गर्न समेत तयार देखिदैन । यस्तो अवस्थामा लोकतान्त्रिक शान्तिपूर्ण आन्दोलनको विकल्प नरहेकोले र तराईवासी-मधेशी जनता प्रतिको आफ्नो अभिभारालाई महत्व दिदै पहिचान, स्वाभिमान र सम्मानको महान संघर्षमा सरीक हुनका लागि म व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट संसद-व्यवस्थापिका नियमावली २०६३ को दफा २२७ अनुसार आजको मिति देखि लागु हुने गरी राजिनामा पेश गर्दछु ।

सधन्यवाद !

मिति : २०६४/०८/२४

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर २७ गते विहवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ९
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर २७ गते विहवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै धादिङ्गमा नेपाली काँग्रेसका कार्यकर्तामाथि ने.क.पा. माओवादीका भातृ संगठनबाट भएको कुटपिट र दुर्व्यवहार तर्फ त्यस्ता व्यक्तिहरूलाई सरकारले आवश्यक कारवाही गरोस् भन्ने सम्बन्धमा, देश संकटमा परेको अवस्थामा जनताको प्रतिनिधिको रूपमा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य रहनु भएका मा० सदस्यहरूले राजीनामा दिनुले अपराधिक गतिविधि र अस्थिरता चाहनेलाई बल पुग्न जान्छ भन्ने सम्बन्धमा, विभिन्न जाति, जनजाति र मधेशीहरूबाट उठाईएका मुद्दा समयमा समाधान गर्न नसकेको कारणले सांसद र मन्त्रीले राजीनामा गरेको र यदि समयमै यसतर्फ राज्यले ध्यान नपुऱ्याउने हो भने अन्य सदस्यहरूबाट पनि राजीनामा आउन सक्ने र गणतन्त्र र पूर्ण समानुपातिक निर्वाचन सम्बन्धी प्रस्ताव व्यवस्थापिका-संसदले बहुमतले पारित गरेकोमा सोको कार्यान्वयन यस महिना भित्र नभएमा पुस १ गते देखि संसद र सडकबाट आन्दोलन गरिने र सो आन्दोलनबाट हुनसक्ने क्षतिको जिम्मेवार सरकार हुने भन्ने सम्बन्धमा, सुस्ता लगायत देशका विभिन्न भागमा रहेको नेपाली भु-भाग माथि भारतीय अतिक्रमण दिनानुदिन बढ्दै गइरहेकोले सोको नियन्त्रणका लागि सरकार पक्षबाट तुरुन्त कारवाही अगाडि बढाइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, तराईका मधेशी समुदायले सांकेतिक रूपमा उठाएका मागलाई हल्का फुल्का रूपमा नलिई सात दलका नेताहरूले सांसद र मन्त्रीको राजीनामा प्रकरणलाई गम्भिर रूपमा लिनुपर्ने साथै सबै दलका नेता एवं व्यक्तिहरू राष्ट्रप्रति गम्भिर र संवेदनशील हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सदन रबर स्ट्याम्प, लाचार छाँया र थपडी बजाउने थलोको रूपमा विकसित भैरहेको कारणले राजीनामा प्रकरण सृजना भएको र सदनलाई प्रभावकारी बनाउन मा० सभामुखले भूमिका खेल्नु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, प्रधानसेनापतिले भारतसँग हातहतियार माग गरेको प्रति सांसद सदस्यहरू चनाखो रहनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, लैङ्गिक बजेट निर्माण गर्दा ५७ जना महिला सांसद सदस्यहरूलाई वेवास्ता गरिएको र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक र नेपाल बैंकमा बैंक व्यवस्थापनको नाममा विदेशीहरूलाई मासिक बीस लाखसम्म अस्वभाविक रूपमा पारिश्रमिक उपलब्ध गराएको भन्ने सम्बन्धमा, जातीयताको नाममा विखण्डनवादी सोच बढिरहेको, ग्याँस आपूर्ति व्यवस्थापन र राजधानीको फोहोरको व्यवस्थापन गरिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, वेपत्ता नागरिकहरूको सम्बन्धमा छानविन आयोग गठन गरी सार्वजनिक गर्नुपर्ने र पिडितलाई क्षतिपूर्ति दिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सिराहामा जनमोर्चाका कार्यकर्ताको अपहरणको सूचना प्रहरीलाई दिइदा पनि सरकारले वास्ता नगरेको र शान्ति, अमनचैन कमजोर भैरहेको समयमा वैदेशिक हस्तक्षेपमा वृद्धि हुने गरेको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री रामनाथ अधिकारी | २. मा० श्री लालबाबु पण्डित |
| ३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ्ग | ४. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ५. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ६. मा० श्री परी थापा |
| ७. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा | ८. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ९. मा० श्री हरिहर दाहाल | १०. मा० श्री चन्द्रमणि खराल |
| ११. मा० श्री नन्दसिंह सार्की | १२. मा० श्री अञ्जना विशंखे |

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्री श्री छत्रिलाल विश्वकर्मा “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल मंसिर २९ गते शनिवार दिनको ४:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १०
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल मंसिर २९ गते शनिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा बेलुकी ७:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले समय माग गर्दै व्यवस्थापिका-संसदको निर्देशनलाई समेत ध्यानमा राखेर संविधान सभाको स्थगित निर्वाचन यहि २०६४ साल चैत्र महिनाभित्र सम्पन्न गर्न सरकारलाई आग्रह गर्ने विषयमा सात राजनैतिक दलहरु बीच सहमति भएको छ । सोही अनुसार मन्त्रिपरिषद्ले संविधान संशोधनको प्रस्ताव व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा दर्ताको लागि पठाइसकेको छ । जनताले लामो समयदेखि प्रतिक्षा गरिरहेको संविधान सभाको निर्वाचनको विषयलाई सात राजनैतिक दलहरु बीच साभा सहमति निर्माण गरी निर्णयमा पुगेको छ । सात राजनैतिक दलहरु बीच कुनैपनि किसिमको मतभेदलाई कायम नराखी पूर्ण एकता कायम गरेर मुलुकलाई अग्रगामी दिशामा अग्रसर गराउन सात राजनैतिक दलहरुले प्रतिवद्धता प्रकट गरेको कुरा मा० सभामुख मार्फत सदनलाई जानकारी गराउँछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त प्रस्तावमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस १ गते आइतवार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ११
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस १ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको २:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाउनु भयो ।

माननीय वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री महन्थ ठाकुरले आफ्नो पदबाट दिनुभएको राजीनामा सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (८) को खण्ड (क) बमोजिम स्वीकृत गर्नुभएको छ । साथै, रिक्त हुनआएको वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयको कार्यभार माननीय शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्री रामचन्द्र पौडेलले सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४/०८/२५

(डा० भोजराज घिमिरे)
मुख्य सचिव

यसैबीच नियमापत्ति गर्दै मा० श्री विरोध खतिवडाले यसरी मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरको राजीनामा प्रधानमन्त्रीबाट स्वीकृत भएपछि स्वीकृत भएको मानिने हो भने ने.क.पा. माओवादीका तर्फबाट सरकारमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने मा० मन्त्रीहरूले प्रधानमन्त्री समक्ष राजीनामा दिनुभएको अवस्थामा प्रस्ताव प्रस्तुतकर्ताको हैसियतले सही गर्नुभएको थियो । सो समयमा प्रधानमन्त्रीले उहाँहरूको राजीनामा स्वीकृत नगरिसकेको अवस्थामा प्रस्तावक सदस्यले प्रस्तुत गरेको प्रस्ताव शुन्यमा परिणत हुने र प्रस्ताव सरकारको तर्फबाट प्रस्तुत गरेको जस्तो देखिने हुन्छ, तसर्थ सात दलको एकताको नाममा विधिको शासनलाई तोड्दै जाने काम हुनु भएन । यस सम्बन्धमा सरकारको तर्फबाट तुरुन्त जवाफ चाहियो भन्नुभयो ।

त्यसैगरी मा० श्री जगन्नाथ खतिवडाले राजीनामा गर्ने ने.क.पा. माओवादीका मन्त्रीहरूलाई मैले मन्त्री कै रूपमा देखेको छु किनकि उहाँहरूले सम्हाल्नु भएका मन्त्रालयहरूमा जाँदा अहिले पनि उहाँहरूको नाम मन्त्रीको बोर्डमा कायम रहेकोले उहाँहरू अझै पनि सरकारमा रहेको आशय देखिन्छ भन्नुभयो ।

यसैबीच मा० डा० वंशीधर मिश्रले रौतहटमा लगातार सोह्र दिन देखिको चक्काजामले गर्दा उपभोग्य सामग्री र औषधीको आपूर्ति बन्द रहन गएकोले त्यहाँको जनजीवन कष्टकर, तनावपूर्ण र हिंसात्मक हुँदै गएकोले सरकारको उपस्थिति नरहेको भान भैरहेको छ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले आज मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएको ध्यानाकर्षणले सरकारको ध्यानाकर्षण भएको हुनुपर्छ, तसर्थ त्यसतर्फ सरकारको ध्यानाकर्षण गराउँछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस ४ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १२
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस ४ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको सत्रौँ वार्षिक प्रतिवेदन, २०६३/०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस ६ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----|----|
| १. | २. |
| ३. | ४. |

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १३
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस ६ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै सुकुम्बासी समस्या समयमै समाधान गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, शिवपुरी क्षेत्रमा जलेको अवस्थामा काठका टुक्रा, कपडा, थिचिएको अवस्थामा बोराहरु भेटिएको र सिभिल ड्रेसमा सेना आई मोबाइलद्वारा रिपोर्ट दिने काम भैरहेकोले सरकारले उक्त क्षेत्रको सुरक्षा गरी वास्तविक सत्य तथ्य पत्ता लगाई नेपाली जनता समक्ष प्रकाश पार्न सहयोग गर्नुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, शिवपुरी क्षेत्रको शंकास्पद स्थानहरूको सुरक्षाको जिम्मा गृहमन्त्रीले नलिएमा त्यहाँको प्रमाण हराउन सक्ने संभावना रहेकोले त्यस सम्बन्धमा सभामुखबाट निर्देशन हुनुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, भारतीय विस्तारवादीहरूले नेपालको सिमाना भिचोको सम्बन्धमा सम्बन्धित पक्षसँग सरकारले कुरा नराखी मौन बसेको भन्ने सम्बन्धमा, सार्वभौम संसदलाई सात दल र सरकारबाट छाँयामा पारिएको, प्रजातन्त्र र राष्ट्रियतामा गम्भिर संकट देखिएता पनि सात दल मौन रहेको भन्ने सम्बन्धमा, सिरहा, सप्तरी, सर्लाही र रौतहट जिल्लामा अपहरण, चन्दा, हत्या जस्ता क्रियाकलापहरु दिनानुदिन बृद्धिका कारण सो क्षेत्र आतंकित रहन गएकोले उक्त समस्या समाधानको लागि राज्यले उचित ध्यान देओस् भन्ने सम्बन्धमा, सरकार र सात दलप्रति जनता नकरात्मक रहेकोले सरकारले अविलम्ब तराईको समस्या समाधान गरोस् भन्ने सम्बन्धमा, आयल निगमको अव्यवस्था र लापरवाहीका कारणले पनि पेट्रोलियम पदार्थमा घाटा पर्न गएको भन्ने सम्बन्धमा, अन्तरिम संविधान जारी गरिएपछि तुरुन्तै संशोधन गरिनुपर्ने कानूनहरू अझै संशोधन हुन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, कर्णाली अञ्चलमा विभिन्न कार्यक्रम अन्तर्गत पुग्ने खाद्यान्नहरू समयमै नपुग्ने कारणले र पुगेको खाद्यान्न पनि समयमा वितरण नगरिएकोले करिब ५६८ क्वीन्टल खाद्यान्न कुहिएको र सो कुहिएको खाद्यान्न खाएर लगभग ५२ वटा गाइवस्तु मर्न गएकोले त्यस्तो खाद्यान्न लापरवाही गर्ने दोषी उपर छानविन गरी उचित कारवाही गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, राजनैतिक समस्याको समाधान प्याकेजको रूपमा गरी सार्थक तुल्याउनु पर्ने अन्यथा आगामी व्यवस्थापिका-संसदको बैठक चलन नसक्ने भन्ने सम्बन्धमा, बेपत्ता पारिएका नागरिकहरूको सम्बन्धमा सरकारले अझै चासो नलिएको भन्ने सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचन गराउने तर्फ सात राजनैतिक दल एवं सरकार गम्भिर नभई गैर जिम्मेवार तरिकाले अगाडि बढेको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|--|
| १. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | २. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | ४. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री हरि आचार्य |
| ७. मा० श्री सीतादेवी यादव | ८. मा० श्री चूडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |
| ९. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | १०. मा० श्री सुरेश मल्ल |
| ११. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | १२. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट |
| १३. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | |

तदुपरान्त मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “लोक सेवा आयोगको अठचालीसौं वार्षिक प्रतिवेदन (आ.व. २०६३ श्रावण देखि २०६४ आषाढ मसान्तसम्म)” पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन अनुगमन विशेष समितिका मा० सदस्य श्री शान्ता श्रेष्ठले “शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन अनुगमन सम्बन्धमा कारागार निरीक्षण, नेपाली सेनाको ब्यारेक निरीक्षण, माओवादी सेनाका लडाकुका शिविरको निरीक्षण, सशस्त्र द्वन्द्वको क्रममा भएको घरजग्गा कब्जा, भुट्टा मुद्दा, बेपत्ता नागरिक, घाइते, शहिद परिवार, विछ्याइएको माइन र बारुदी सुरुङ्ग सम्बन्धी अध्ययन निरीक्षण भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस ९ गते सोमवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १४, १५ र १६
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस ९ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम १३१ को उपनियम (१) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा विचाराधीन “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” लाई फिर्ता लिन अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम १३१ को उपनियम (४) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा विचाराधीन “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथि मा० सदस्यहरुबाट विरोध नभएकोले विधेयक फिर्ता लिने प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयक फिर्ता लिन बैठकको अनुमति प्राप्त भएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले व्यवस्थापिका-संसदमा विचाराधीन “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” फिर्ता लिनुभयो ।

तदनन्तर बैठक एक घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको २:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- आजको मूल मुद्दा नै संविधान सभाको निर्वाचन हो जसले नेपाली जनतालाई अधिकार सम्पन्न बनाउँछ र हिजो सात दलबीच सम्पन्न २३ बुँदे सहमतिको हार्दिक स्वागत गर्दछु भन्ने सम्बन्धमा, हामी गणतन्त्र स्थापना गर्न तयार छौं र गणतन्त्रको अन्तिम निर्णय गर्ने अधिकार जनतालाई छोडिदिनु पर्दछ, मधेशबाट विभिन्न किसिमका मागहरु उठाइएका छन् त्यसलाई वार्ताद्वारा समाधान गरी संविधान सभाको निर्वाचन सम्पन्न गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, सबै दलका राम्रा विचारहरुलाई समेटेर एउटा पुष्ट विचार निर्माण गरी अगाडि बढ्नु मुलुकको लागि फाइदाजनक हुन जान्छ भन्ने सम्बन्धमा, वर्तमान सहमति देशमा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र कायम गर्ने दिशामा सकारात्मक कदम भएको र संविधान संशोधनको प्रक्रियालाई छिटो अगाडि बढाइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, सरकारमा रहेका एकजना मन्त्री नै अपराध र अपहरणमा संलग्न भएको भन्ने सम्बन्धमा, सहमति गर्ने पक्षहरु इमान्दार नहुने हो भने त्यसको कुनै अर्थ रहँदैन र राष्ट्र विखण्डन गर्न खोज्ने शक्तिहरूसँग चनाखो रहनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सुस्तामा चौध हजार हेक्टर भूमि भारततर्फ गाभिएको तर्फ सरकारले ध्यान दिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, मधेशमा रहेका हरेक तप्काका जनतालाई साभेदारीको हकदार बनाइनु पर्दछ र रा.प्र.पा. सार्वभौमसत्ता सम्पन्न जनताको पक्षमा रहेकोले सात दलले अधिनायकवादी प्रवृत्ति चलाउन छोडोस् भन्ने सम्बन्धमा, अपहरणमा परेका उद्योगपति मुरारका कसरी अपहरणमा परे ? उनी कसरी रिहा भए ? र सो खेल कहाँबाट संचालित थियो ? यसरी अपहरण गर्ने कार्य उद्योगको रुपमा नफस्टाओस् भन्ने सम्बन्धमा, दलहरु गणतन्त्रको बारेमा आस्था र विश्वास लिएर अगाडि बढ्न सक्छन् तर सात दलको हिजोको सहमतिले जनताको अधिकारमाथि अतिक्रमण हुनजाने भएकोले त्यसको मूल्य एकदिन सात दलले चुकाउनु पर्नेछ भन्ने सम्बन्धमा, सबै राजनीतिक दलले हिजोको सहमतिलाई नतोड्नुका लागि प्रतिवद्धता जाहेर गर्न सक्नुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, महोत्तरीमा १२ दिनदेखि सरकारी कार्यालयहरु खुल नसकेको र रेन्जरको अपहरण भएको सम्बन्धमा सरकारले अविलम्ब ध्यान दिनुपर्ने भन्ने जस्ता धारणाहरु प्रस्तुत गर्नुभयो ।

१. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी
३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ्ग

२. मा० डा० प्रकाशशरण महत
४. मा० श्री राजेन्द्र महतो

- | | |
|-----------------------------------|-------------------------------|
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ७. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ८. मा० श्री परी थापा |
| ९. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी | १०. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा |
| ११. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | १२. मा० श्री भरतप्रसाद शाह |

यसैबीच मा० सभामुखले राजधानीमा भएको अपहरण लगायत अन्य विषयमा मा० सदस्यहरुले कुराहरु उठाउनु भएको छ, यसतर्फ सरकारको ध्यानाकर्षण गराउँछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाउनु भयो ।

माननीय सूचना तथा सञ्चार मन्त्री कृष्णबहादुर महारा, माननीय स्थानीय विकास र वन तथा भू-संरक्षण मन्त्री देवप्रसाद गुरुङ्ग, माननीय भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री हिसिला यमी र माननीय महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री खड्गबहादुर विश्वकर्मा आ-आफ्नो पदबाट सम्बत् २०६४ असोज १ गते दिनुभएको राजीनामा सोही मितिदेखि नै लागू हुने गरी सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (८) को खण्ड (क) बमोजिम स्वीकृत गर्नुभएको छ । साथै, रिक्त हुन आएका मन्त्रालयहरुको कार्यभार अर्को व्यवस्था नभएसम्म सम्माननीय प्रधानमन्त्री स्वयंले नै सम्हाल्नु भएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४/०९/०८

(डा० भोजराज घिमिरे)
मुख्य सचिव

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मिति २०६४ साल पुस ८ गते आइतवार सात राजनीतिक दलका शिर्ष नेताहरु बीचको लामो छलफलमा विभिन्न विषयहरुमा दलहरुका आ-आफ्ना मत रहेका भएपनि संविधान सभाको निर्वाचन २०६४ साल चैत्रभित्र सम्पन्न गर्ने राष्ट्रिय संकल्पलाई केन्द्र विन्दुमा राखेर सात दलका शीर्ष नेताहरुबीच भएको २३ बुँदे सहमतिको विवरण पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले २०६३ माघ १ गतेदेखि २०६४ कार्तिक मसान्तसम्म वैदेशिक सहयोग सम्बन्धमा भएका सम्झौताहरुको विवरण पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक एक घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ५:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाली काँग्रेसबाट प्रतिनिधित्व गर्नुहुने मा० सदस्य श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ताले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २२७ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट दिनुभएको निम्नलिखित राजिनामा पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाउनु भयो ।

जनआन्दोलन-२ र ऐतिहासिक मधेस विद्रोहको परिणाम स्वरूप मुलुकले र खासगरी मधेसी, जनजाति तथा दलित समुदायले अपेक्षा गरेको आधारभूत राजनीतिक परिवर्तन नियतवश पुरा भएन ।

उपलब्ध उपलब्धिहरूलाई विकसित र संस्थागत गर्ने काममा व्यवस्थापिका-संसदको उल्लेख्य भूमिका हुन सक्दथ्यो तर व्यवस्थापिका-संसद सात दलबाट, सात दलका लागि र सात दलको मात्र हितमा मुलुकको अग्रगामी राजनीतिक परिवर्तनलाई खुम्च्याउने चालबाजीको मतियार र विधायकीय प्रसस्तकर्ता मात्र देखियो ।

व्यवस्थापिका-संसदले मधेसी, जनजाति र दलितसँग नेपाल सरकारले गरेका सम्झौताहरूको कार्यान्वयनको सामान्य अनुगमन पनि गर्न नसक्नु, आसन्न भयावह जातीय-क्षेत्रीय-सामाजिक तथा वर्गीय द्वन्दको आभाषका साथ त्यसको समयमै निराकरणका लागि सरकारलाई ठोस निष्कर्ष एवं बाध्यकारी निर्देशन दिन नसक्नु, आफ्नै मुलुकका ४० जना भन्दा बढी मधेसी नागरिकहरू अधिकार प्राप्तिको आन्दोलनको क्रममा सरकारको गोली प्रहारबाट निर्मम हत्या गरिंदा शहीदको सम्मान पनि दिलाउन नसक्नु, इतिहासमै पहिलो पटक संविधान सभाको निर्वाचन हुने सन्दर्भमा मधेसी जनताको न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्वका लागि निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण समितिको कपटपूर्ण प्रतिवेदनको खारेजीको माग गर्दै मधेसी सांसदहरूबाट डेढ महिनासम्म संसद अवरुद्ध हुँदा पनि सोको प्रतिफल दिलाउन नसक्नु तथा आज मधेसका आधी भागमा सरकारी र राज्यपोषित गैरसरकारी शसस्त्र परिचालनबाट राज्यआतंक खडा गरिंदा पनि व्यवस्थापिका-संसदमा त्यस विषयमा केन्द्रित भै सामान्य छलफल पनि नगराइनु र मधेसमा विद्यमान शसस्त्र विद्रोहीहरूसँग वार्ता गराउन सरकारलाई दवाव दिन नसक्नु जस्ता यहाँ थोरै मात्र उल्लेख्य तथ्यहरूले यस संस्थाको मधेसका सवालहरू प्रतिको निरपेक्षतालाई उजागर गरेको छ ।

आज मात्रै व्यवस्थापिका-संसद सात दलका नेताहरूको हस्ताक्षरित २२ बुँदे सहमतिलाई अन्तरिम संविधानको तेस्रो संशोधनको विषय बनाउन हत्तारिएर प्रतिक्षारत छन् । तर यस सहमतिले मधेस, जनजाति र दलितका अनुलंघनीय सवालहरूलाई नियतवश उपेक्षा गरेको दुष्परिणाम स्वरूप संविधान सभाको चुनाव हुन उत्पन्न हुने गंभीर कठिनाई र भएमा त्यस संविधान सभामा मधेसी, जनजाति र दलितको स्वामित्व हुननसक्ने यथार्थलाई घोर अवज्ञा गरेको छ ।

‘गणतन्त्र’ सहभागिता मूलक एवं समावेशी मान्यतालाई ठोस प्रत्याभूति दिने हुन पर्दछ । ‘संघीय शासनप्रणाली’ आत्मनिर्णयको अधिकार सहित क्षेत्रीय स्वायत्ततायुक्त हुनै पर्दछ । उचित संभाव्यताका आधारमा राज्यको पुनर्संरचना गरी समग्र मधेस-एक प्रदेशको मान्यतालाई संविधान सभाको एक पूर्वाधार मानिनु पर्दछ । मुलुकमा विद्यमान सत्ताद्वारा मधेशमा आन्तरिक औपनिवेशीकरणको नीतिको अन्त्यका लागि सर्वदलीय प्रतिवद्धता, राजनीतिक अधिकारसँगै सामाजिक-आर्थिक-धार्मिक-सामुदायिक तथा साँस्कृतिक आदि अधिकारहरूको भावी संविधानमा व्यवस्थाको प्रत्याभूति र मधेस विद्रोहका उपलब्धिहरूको विधायकीय तवरमा संस्थागत सुरक्षण वेगर मधेस, जनजाति र दलितका लागि संविधान सभाको निर्वाचन ‘श्रृंगारिक’ वाहेक अरु केही हुन्न । अहिले सात दल र सरकार यही प्रयोजनहीन तथा मुलुकमा थप संकट उत्पन्न गर्ने खेलका लागि अन्तरिम संविधानमा नयाँ संशोधनको विषय प्रवेश गराउँदै छ ।

उपर्युक्त परिस्थितिमा यस संविधान संशोधनको औचित्य, सात दल तथा सरकारको विश्वसनीयता र व्यवस्थापिका-संसदको अब उपादयेता छैन । यसर्थ महान मधेसी विद्रोहको उपलब्धिहरूको रक्षा र नयाँ मधेस आन्दोलनको शक्तिबाट मधेसको हक लिन त्यस आन्दोलनमा निष्ठाका साथ सरिक हुन म व्यवस्थापिका-संसदको सदस्यता र आवद्ध दलसँगको सबै सरोकार परित्याग गर्दछु ।

माननीय सभामुखज्यू, व्यवस्थापिका-संसदको नियमावलीको दफा २२७ अनुसार म व्यवस्थापिका-संसदको सदस्यबाट राजिनामा गर्दछु । म प्रति व्यक्तिगत सद्भावको लागि माननीय सभामुखज्यू प्रति र यहाँ मार्फत माननीय प्रधानमन्त्रीका साथै सम्पूर्ण सांसदज्यूहरू प्रति आभार व्यक्त गर्दछु । धन्यवाद ।

भवदीय

पुस ९ गते, २०६४ साल

जयप्रकाश प्रसाद गुप्ता

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | ४. मा० श्री गणेश शाह |
| ५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ६. मा० श्री रोमीगौचन थकाली |
| ७. मा० श्री फटिकबहादुर थापा | ८. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ९. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | १०. मा० श्री देवी खड्का |
| ११. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | १२. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस १३ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १७ र १८
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस १३ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम अब मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “महालेखा परीक्षकको चवालीसौं वार्षिक प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री नारायणमान विजुक्छेले “नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणद्वारा निर्मित त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल, भैरहवा, सुर्खेत, कोल्टी, ताल्चा, जुम्ला, नेपालगंज विमानस्थलहरु, लुम्बिनी विकास गुरुयोजना र रारा तालको स्थलगत अध्ययन निरीक्षण भ्रमणको प्रतिवेदन, २०६४” पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथिको दफावार छलफल सदनमा गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को प्रस्तावना र सोही विधेयकको दफा २, ३, ४, ५, ६ र ७ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३३, ४५, ६१ पछि थप्न प्रस्ताव गरिएको ६१क, ६३, १५९ र अन्तरिम संविधानमा संशोधन तथा रुपान्तरण माथि मा० सदस्यहरुको संशोधनका सूचनाहरु प्राप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि संशोधनकर्ता मा० श्री परी थापाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को प्रस्तावना, दफा ५, ६ र ७ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त अर्को संशोधनकर्ता मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.ले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २, ५, ६, र ७ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त अर्को संयुक्त संशोधनका संशोधनकर्ताहरु मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना, मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग र मा० श्री दीनानाथ शर्माले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ३ र ४ माथि आ-आफ्ना संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री लीलामणि पोखरेलले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ३ र ४ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री पशुपति शम्शोर ज.ब.रा.ले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ४, ५, ६ र ७ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री राजेन्द्र महतोले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ५, ६ र ७ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात अर्को संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री सुनिल प्रजापतिले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ५ र ६ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि अर्को संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री मल्ल के. सुन्दरले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ५ र ६ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री कमानसिंह लामाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ५ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ५ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि अर्को संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री सूर्यबहादुर थापाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ६ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको दफावार छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री डिलाराम आचार्य
३. मा० श्री प्रदीप गिरी

२. मा० श्री गणेश शाह

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले छलफलको क्रममा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो । साथै सो क्रममा मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना, मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे, मा० श्री दिनानाथ शर्मा, मा० श्री हरिहर दाहाल, मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग र मा० श्री खिमलाल देवकोटाले संयुक्त रूपमा विधेयकको दफा ३ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४५ को उपधारा (६) माथि र विधेयकको दफा ४ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ६१ पछि थप प्रस्तावित धारा ६१क. माथि पेश गर्नुभएको संशोधन सरकारको तर्फबाट स्वीकार गरिएको जानकारी दिनुभयो ।

त्यसपछि संशोधनकर्ता मा० श्री परी थापाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को प्रस्तावना, दफा ५, ६ र ७ माथि पेश गर्नुभएको संशोधनहरू फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले उक्त संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त अर्को संशोधनकर्ता मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.ले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २, ५, ६, र ७ माथि पेश गर्नुभएको संशोधनहरू फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले उक्त संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात अर्को संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगानाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ३ र ४ माथि पेश गर्नुभएको संशोधनहरू फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले उक्त संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि अर्को संशोधनकर्ता मा० श्री लीलामणि पोखरेलले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ३ र ४ माथि पेश गर्नुभएको संशोधनहरू फिर्ता लिनुभएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गरिरहनु नपर्ने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त अर्को संशोधनकर्ता मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा.ले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा ४, ५, ६ र ७ माथि पेश गर्नुभएको संशोधनहरू फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले उक्त संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम १३८ को उपनियम ४ बमोजिम “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावलाई मत विभाजनद्वारा निर्णयार्थ पेश गरिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँदै विभाजन गर्दा अपनाइने प्रक्रियाको विषयमा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावमा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली २०६३ को नियम १३८ को उपनियम (४) बमोजिम मत विभाजन गरी मत संकलन गर्दा “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावको पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा जम्मा २७० मत र यस प्रस्तावको विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा ३ मत परेकोले मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव व्यवस्थापिका-संसदको तत्काल कायम रहेका ३२१ सदस्य संख्याको दुईतिहाई बहुमतबाट पारित भएको घोषणा गर्नुभयो ।

“नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावको पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरुको नामावली :-

| | | | |
|---------|--------------------------------|-----|---------------------------------|
| क्र.सं. | नाम थर | ३०. | मा० श्री कुमारी मोक्तान |
| १. | मा० श्री अक्कलबहादुर बिष्ट | ३१. | मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग |
| २. | मा० श्री अजयकुमार चौरसिया बरै | ३२. | मा० श्री केशरमान रोका |
| ३. | मा० श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह | ३३. | मा० श्री केशव थापा |
| ४. | मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | ३४. | मा० श्री कैलाशनाथ कसौधन |
| ५. | मा० श्री अञ्जना विशंखे | ३५. | मा० श्री कृष्ण आचार्य |
| ६. | मा० श्री अमरेशकुमार सिंह | ३६. | मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे |
| ७. | मा० श्री अमृतकुमार बोहरा | ३७. | मा० श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ |
| ८. | मा० श्री अशोक कोइराला | ३८. | मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल |
| ९. | मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य | ३९. | मा० श्री कृष्णप्रसाद सिटौला |
| १०. | मा० श्री असर्फी सदा | ४०. | मा० श्री कृष्णबहादुर महरा |
| ११. | मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुङ्गाना | ४१. | मा० श्री कृष्णलाल महर्जन |
| १२. | मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | ४२. | मा० श्री खड्गबहादुर वि.क. |
| १३. | मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | ४३. | मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| १४. | मा० श्री इन्द्रजीत थारु | ४४. | मा० श्री खुमबहादुर खड्का |
| १५. | मा० श्री इलियास मुसलमान | ४५. | मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर |
| १६. | मा० श्री ईश्वर पोखरेल | ४६. | मा० श्री गणेश शाह |
| १७. | मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | ४७. | मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला |
| १८. | मा० श्री उमाकान्त चौधरी | ४८. | मा० श्री गोहेन्द्र गिरी |
| १९. | मा० श्री उमा वि.क. | ४९. | मा० श्री गोकर्णराज बिष्ट |
| २०. | मा० श्री उर्मिला अर्याल | ५०. | मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला |
| २१. | मा० श्री उर्वादत्त पन्त | ५१. | मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ |
| २२. | मा० श्री ऋषिकेश गौतम | ५२. | मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी |
| २३. | मा० श्री एकनाथ रानाभाट | ५३. | मा० श्री गोविन्दराज जोशी |
| २४. | मा० श्री ओमप्रसाद ओझा | ५४. | मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| २५. | मा० श्री कमलप्रकाश सुनुवार | ५५. | मा० डा. गंगाधर लम्साल |
| २६. | मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | ५६. | मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल |
| २७. | मा० श्रीमती काशी पौडेल | ५७. | मा० श्री घनेन्द्र बस्नेत |
| २८. | मा० श्री कुन्ता शर्मा | ५८. | मा० श्री चक्रप्रसाद वास्तोला |
| २९. | मा० श्री कुमार फुदुङ्ग | ५९. | मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही |

६०. मा० श्री चन्द्रमणि खराल
 ६१. मा० श्री चिनक कुर्मी
 ६२. मा० श्री चिरञ्जीवी वाग्ले
 ६३. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.
 ६४. मा० श्रीमती चित्रलेखा यादव
 ६५. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
 ६६. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा
 ६७. मा० श्री जग्यबहादुर शाही
 ६८. मा० श्री जनकराज गिरी
 ६९. मा० श्री जनार्दन शर्मा
 ७०. मा० श्री जयन्ति राई
 ७१. मा० श्री टुकराज सिग्देल
 ७२. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल
 ७३. मा० श्री टंकप्रसाद राई
 ७४. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल
 ७५. मा० श्री डिलाराम आचार्य
 ७६. मा० श्री डिल्लीराज खनाल
 ७७. मा० श्री तारासम यङ्ग्या
 ७८. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत
 ७९. मा० श्री तिलक परियार
 ८०. मा० श्री तीर्थराम डङ्गोल
 ८१. मा० श्री तीर्था गौतम
 ८२. मा० श्री दानबहादुर चौधरी
 ८३. मा० श्री दामा शर्मा
 ८४. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी
 ८५. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ
 ८६. मा० श्री दिलबहादुर लामा
 ८७. मा० श्री दिलीप महर्जन
 ८८. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु
 ८९. मा० श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ
 ९०. मा० श्री दीनानाथ शर्मा
 ९१. मा० श्री दुर्गा लिंखा
 ९२. मा० श्री दुर्योधन सिंह
 ९३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ
 ९४. मा० श्री देवी खड्का
 ९५. मा० श्री देवीलाल थापा
 ९६. मा० श्री देवेन्द्रराज कडेल
 ९७. मा० श्री धर्मनाथप्रसाद साह
 ९८. मा० श्री धर्मशिला चापागाई
 ९९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई
 १००. मा० श्री नन्द सिंह सार्की
 १०१. मा० श्री नरबहादुर हमाल
 १०२. मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम
 १०३. मा० श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्बाङ
 १०४. मा० श्री नागेन्द्रकुमार राय
 १०५. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद
 १०६. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल
 १०७. मा० श्री नारायणशर्मा पौड्याल
 १०८. मा० श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ
 १०९. मा० श्री पदमबहादुर राई
 ११०. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा
 १११. मा० श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी
 ११२. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग
 ११३. मा० श्री परशुराम रम्तेल
 ११४. मा० श्री पशुपति चौलागाईं
 ११५. मा० श्री पार्वती चौधरी
 ११६. मा० श्री पुरन राना थारु
 ११७. मा० श्री पुष्करनाथ ओझा
 ११८. मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी
 ११९. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी
 १२०. मा० श्री प्रकाश ज्वाला
 १२१. मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ
 १२२. मा० श्री प्रकाशमान सिंह
 १२३. मा० डा. प्रकाश शरण महत
 १२४. मा० श्री प्रभु शाह
 १२५. मा० श्री प्रदिप गिरी
 १२६. मा० श्री प्रदीप नेपाल
 १२७. मा० श्री फटिकबहादुर थापा
 १२८. मा० श्री फुर्वी शेर्पा
 १२९. मा० श्री बलदेव शर्मा
 १३०. मा० श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)
 १३१. मा० श्री बलबहादुर राई
 १३२. मा० श्री बलावती शर्मा
 १३३. मा० श्री बिरोध खतिवडा
 १३४. मा० श्री बुद्धिमान माफ्ती
 १३५. मा० श्री बेदुराम भुसाल
 १३६. मा० श्री बेनुपराज प्रसाई
 १३७. मा० डा. बंशीधर मिश्र
 १३८. मा० श्री भगवती प्रधान
 १३९. मा० श्री भक्तबहादुर बलायर
 १४०. मा० श्री भक्तबहादुर शाह
 १४१. मा० श्री भद्रबहादुर थापा
 १४२. मा० श्री भरतप्रसाद शाह
 १४३. मा० श्री भरतकुमार शाह
 १४४. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी
 १४५. मा० श्री भिमबहादुर तामाङ्ग
 १४६. मा० श्री भिक्षु आनन्द
 १४७. मा० श्री मञ्जु बम
 १४८. मा० श्री मणि खम्बु
 १४९. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर
 १५०. मा० श्री महादेव गुरुङ
 १५१. मा० श्री महेन्द्रकुमार राय
 १५२. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे
 १५३. मा० श्री महेन्द्र यादव
 १५४. मा० श्री महेश आचार्य
 १५५. मा० श्री मातृकाप्रसाद यादव
 १५६. मा० श्री माधवकुमार नेपाल
 १५७. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा
 १५८. मा० डा. मिनेन्द्र रिजाल
 १५९. मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ
 १६०. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी
 १६१. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत
 १६२. मा० श्री मंगलप्रसाद थारु
 १६३. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा

| | | | |
|------|------------------------------------|------|-----------------------------------|
| १६४. | मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर | २१६. | मा० श्री शालिक्राम जम्कट्टेल |
| १६५. | मा० श्री यज्ञराज पाठक | २१७. | मा० श्री शिला यादव |
| १६६. | मा० श्री यादवबहादुर रायमाभी | २१८. | मा० श्री शिवकुमार बस्नेत |
| १६७. | मा० श्री योगनारायण यादव | २१९. | मा० श्री शिवकुमार मण्डल |
| १६८. | मा० श्री रघुजी पन्त | २२०. | मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई |
| १६९. | मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने | २२१. | मा० श्री शिवबहादुर देउजा |
| १७०. | मा० श्री रमेश लेखक | २२२. | मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) |
| १७१. | मा० श्री राजेन्द्र खरेल | २२३. | मा० श्री शिवराज जोशी (सुर्खेत) |
| १७२. | मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी | २२४. | मा० श्री शुभाष कर्माचार्य |
| १७३. | मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | २२५. | मा० श्री शेरधन राई |
| १७४. | मा० श्री रामआश्रय राम | २२६. | मा० श्री शेरबहादुर देउवा |
| १७५. | मा० श्री रामकुमार चौधरी | २२७. | मा० श्री शोभा कट्टेल |
| १७६. | मा० श्री रामकुमारी यादव | २२८. | मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी |
| १७७. | मा० श्री रामकृष्ण ताम्राकार | २२९. | मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे |
| १७८. | मा० श्री रामचन्द्र तिवारी | २३०. | मा० श्री सत्यनारायण भगत वीन |
| १७९. | मा० श्री रामचन्द्र पौडेल | २३१. | मा० श्री सत्य पहाडी |
| १८०. | मा० श्री रामचन्द्र यादव | २३२. | मा० श्री सन्तोष कुमार बुढामगर |
| १८१. | मा० श्री रामचरण चौधरी थारु | २३३. | मा० श्री सरला रेग्मी |
| १८२. | मा० श्री रामजनम चौधरी | २३४. | मा० श्री सरस्वती चौधरी |
| १८३. | मा० श्री रामजीवन सिंह | २३५. | मा० श्री सर्वधन राई |
| १८४. | मा० श्री रामनाथ अधिकारी | २३६. | मा० श्री सावित्री गुरुड दुरा |
| १८५. | मा० श्री रामप्रीत पासवान | २३७. | मा० श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक) |
| १८६. | मा० श्री रामबहादुर गुरुड | २३८. | मा० श्रीमती सितादेवी यादव |
| १८७. | मा० श्री रामबहादुर बिष्ट | २३९. | मा० श्री सिद्धराज ओझा |
| १८८. | मा० श्री रामलौट तिवारी | २४०. | मा० श्रीमती सुजाता कोइराला |
| १८९. | मा० डा. रामवरण यादव | २४१. | मा० श्री सुदर्शन बराल मगर |
| १९०. | मा० श्री रामहरि ढुङ्गेल | २४२. | मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| १९१. | मा० श्री रिमा नेपाली | २४३. | मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी |
| १९२. | मा० श्री रुपा चौधरी | २४४. | मा० श्री सुरेन्द्र हमाल |
| १९३. | मा० श्री रुपा वि.क. | २४५. | मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर |
| १९४. | मा० श्री रोमी गौचन थकाली | २४६. | मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| १९५. | मा० श्री रंगनाथ जोशी | २४७. | मा० श्री सुरेश मल्ल |
| १९६. | मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर | २४८. | मा० श्री सुशील कोइराला |
| १९७. | मा० श्री ललितकुमार बस्नेत | २४९. | मा० श्री सुशीला नेपाल |
| १९८. | मा० श्री लिला न्याइच्याङ | २५०. | मा० सुश्री सुशीला स्वार |
| १९९. | मा० श्री लीलामणि पोखरेल | २५१. | मा० श्री सूर्यप्रसाद प्रधान |
| २००. | मा० श्री लेखनाथ आचार्य | २५२. | मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ |
| २०१. | मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने | २५३. | मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| २०२. | मा० श्री लेखराज भट्ट | २५४. | मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी |
| २०३. | मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | २५५. | मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी |
| २०४. | मा० श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ | २५६. | मा० श्री हर्कमान तामाङ |
| २०५. | मा० श्री वामदेव गौतम | २५७. | मा० श्री हरि आचार्य |
| २०६. | मा० श्री वामदेव क्षेत्री | २५८. | मा० श्री हरि रोका |
| २०७. | मा० श्री विजयकुमार गच्छदार | २५९. | मा० श्री हरिनारायण चौधरी |
| २०८. | मा० श्री विजय सुब्बा | २६०. | मा० श्री हरिप्रसाद सापकोटा |
| २०९. | मा० श्री विनयध्वज चन्द | २६१. | मा० श्री हरिभक्त अधिकारी |
| २१०. | मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय | २६२. | मा० श्री हरिलाल जोशी |
| २११. | मा० श्री विमलेन्द्र निधि | २६३. | मा० श्री हरिहर दाहाल |
| २१२. | मा० श्री वीरबहादुर लामा | २६४. | मा० श्री हितकाजी गुरुड |
| २१३. | मा० श्री शरतसिंह भण्डारी | २६५. | मा० श्री हितबहादुर तामाङ |
| २१४. | मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | २६६. | मा० श्री हिसिला यमी |
| २१५. | मा० श्री शान्ति पाख्रिन | २६७. | मा० श्री होमनाथ दाहाल |

२६८. मा० श्री हृदयराम थानी
२६९. मा० श्री ज्ञानु के.सी.

२७०. मा० श्री श्रीमाया थकाली

“नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावको विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरूको नामावली :-

१. मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल
२. मा० श्री परी थापा
३. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा.

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा बेलुकी ६:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले पाकिस्तानकी भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री बेनजीर भुट्टोको हत्या भएकोमा निम्नलिखित शोक प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो :-

शोक प्रस्ताव

“पाकिस्तानकी भूतपूर्व प्रधानमन्त्री, नेपालको असल मित्र, पाकिस्तानमा लोकतान्त्रिकरणको लागि संघर्षशील व्यक्तित्व श्री बेनजीर भुट्टोको मिति २०६४ साल पुस १२ गते (तदनुसार ई.सं. डिसेम्बर २७, २००७) का दिन पाकिस्तानको रावलपिण्डीस्थित जनसभालाई सम्बोधन गरी फर्कने क्रममा आतंककारी समूहले गोली हानी निर्मम हत्या गरेको खबरले हामी सबैलाई स्तब्ध तुल्याएको छ, उहाँको निधनप्रति यो व्यवस्थापिका-संसद गहिरो शोक प्रकट गर्दछ । यस शोकाकुल घडीमा उहाँको शोक-सन्तप्त परिवार, पाकिस्तानी जनता र पाकिस्तान सरकारप्रति समवेदना प्रकट गर्दछ ।”

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त शोक प्रस्तावलाई पारित गरिदिनु हुन अनुरोध गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात सभाले पाकिस्तानकी भूतपूर्व प्रधानमन्त्री स्वर्गीय श्री बेनजीर भुट्टोको दुःखद निधनमा शोक प्रकट गर्न उठेर १ मिनेट मौन धारण गर्‍यो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस १५ गते आइतवार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - १९ र २०
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस १५ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- तमू र मगर जातिको नयाँ वर्ष ल्होसार पर्वको उपलक्ष्यमा नेपाल सरकारले सार्वजनिक विदा दिने निर्णय गरेकोमा धन्यवाद र ल्होसारको शुभकामना व्यक्त गरिएको सम्बन्धमा, निर्वाचन क्षेत्र विकास कार्यक्रम थोरै रकमले ठूलाठूला काम सम्पन्न भएकोले उक्त कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिन तत्काल सो शिर्षकमा रकम निकास गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, नवलपरासीको सुस्तामा भारत सरकारबाट भैरहेको नेपाली भूमि अतिक्रमण रोक्न सरकारले पहल गर्नुपर्ने र कूटनैतिक तवरबाट उक्त जमिन फिर्ता लिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचनको मिति तत्काल तोकिनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, राज्यका सबै अंगमा महिलाको सहभागिता तैत्तिस प्रतिशत हुनुपर्ने र तेस्रो लिङ्गीको अधिकार सुरक्षित हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, महेन्द्रनगरमा राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीले भोग चलन गर्दै आएको र कानूनी रूपमा सबै प्रमाण पार्टीको हुँदाहुँदै पनि उक्त पार्टी कार्यालय खाली गराउन नगरपालिकाले पत्राचार गरेकोमा पार्टीमाथि आक्रमण भएको महशुस भएको छ भन्ने सम्बन्धमा, घरेलु हिंसा, यौन दुर्व्यवहार सम्बन्धी विधेयक तत्काल ल्याइनु पर्ने र महिलाका लागि स्वास्थ्य, शिक्षा र रोजगारीको अवसर उपलब्ध गराउनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, पैतृक सम्पत्तिमा समान अधिकार स्थापित नभएको, आमाको नामबाट नागरिकता सरल रूपमा अफ्रै पाउन नसकेको र शान्ति, सुरक्षा सुदृढ बनाउने भनिएतापनि हत्या, अपहरण जस्ता कार्य अफ्रै जारी रहेको भन्ने सम्बन्धमा, सुर्खेतको भोलुङ्गे पुल दुर्घटनाको विस्तृत विवरण संसदलाई दिनुपर्ने र उक्त पुल खस्दा भएको दुर्घटनाबारे छानविन गर्न माग गर्दै मृतकका परिवारलाई उचित क्षतिपूर्ति उपलब्ध गराइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, सात दलले गरेको सहमतिलाई अन्तराष्ट्रिय रूपमा सन्धान गरिएको र संविधान सभा सदस्य संख्या वृद्धि भएकोमा प्राविधिक रूपमा संसदको बैठक बस्ने स्थान अभाव हुनसक्ने सम्बन्धमा, मधेशको समस्या एकीकृत रूपमा समाधान गरिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, मुक्त कमैयाको समस्यालाई संविधान सभाको निर्वाचन अगाडि नै समाधान गरिनु पर्दछ भन्ने जस्ता धारणाहरु प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|---|------------------------------------|
| १. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे |
| ३. मा० श्री धर्मशिला चापागाई | ४. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ७. मा० श्री अञ्जना विशंखे | ८. मा० श्री हरि आचार्य |
| ९. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला | १०. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य |
| ११. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सि.पी.) मैनाली | १२. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ्ग | १४. मा० श्री कुन्ता शर्मा |
| १५. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी | |

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपानेले भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोलको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ४:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|---------------------------|
| १. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | २. मा० श्री हरिहर दाहाल |
| ३. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ४. मा० श्री बेदुराम भुषाल |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री हरि आचार्य |
| ७. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा | |

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस १९ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २१
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस १९ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- तातोपानी भन्सार कार्यालयमा सुख्खा बन्दरगाह निर्माण गर्न यथेष्ट जग्गा भएकोले सरकारको यसतर्फ ध्यान जाओस् भन्ने सम्बन्धमा, कन्चनपुर जिल्लाको टनकपुर व्यारेज नजिक ब्रम्हदेवमा र वनवासामा भारतीय विद्यार्थी र नेपाली नागरिकहरू बीच सिमा विवादको विषयलाई लिएर दुंगा हानाहान भएकोले यो जटिल परिस्थितिको औपचारिक प्रतिक्रिया सरकारबाट आओस् भन्ने सम्बन्धमा, संविधानमा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक राज्य उल्लेख भएपछि राजा टिकाउन उच्चत समूहहरू सलवलाइरहेका छन् भन्ने सम्बन्धमा, नेपाल आयल निगमले कुन देशका मन्त्रिहरूसंग सल्लाह गरेर तेलको मुल्य बढाएकोहो स्पष्ट हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सीमा अतिक्रमणको विषयमा छिट्टै सरकारले ठोस् निर्णय लिन नसकेमा देशको अस्तित्व संकटमा पर्नसक्ने भन्ने सम्बन्धमा, स्वास्थ्य, शिक्षा र रोजगार जस्ता मौलिक हक भित्र परेका कार्यक्रमहरू पारदर्शी नभएको भन्ने सम्बन्धमा, राज्यको हरेक अंगमा ३३ प्रतिशत महिला सहभागिताको प्रस्ताव पारित भैसकेपछि पनि कार्यान्वयनमा आउन नसकेको सम्बन्धमा, तराईमा संघर्षरत समूहबाट माघ ५ बाट तराईमा आन्दोलन शुरु हुने चेतावनी दिइरहेको सम्बन्धमा, काभ्रे जिल्लाको एउटा कार्यक्रममा सहभागि नेकपा एमाले जनवर्गिय संगठनका दिपक गौतम लगायत अन्य विद्यार्थीहरूलाई विनाकारण वाइ.सि.एल.ले कुटपिट गरेको र यसरी दलका कार्यकर्ता एवं सर्वसाधारणलाई कुटपिट जारी राखिरहेका वाइ.सि.एल.का कार्यकर्तालाई सम्बन्धित पार्टीको नेतृत्वतहबाट कस्तो निर्देशन भएको छ स्पष्ट हुनुपर्छ भन्ने सम्बन्धमा, खोड्पे-बभाङ सडक निर्माण कार्य सुरु भएको २६ वर्ष भैसक्दा पनि सम्पन्न हुन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, केही वर्ष अघि ललितपुरको बडिखेलमा परिवारै सखाप पार्ने अपराधिलाई सरकारले अहिलेसम्म पत्ता लगाउन नसकेको सम्बन्धमा, रोल्पा जिल्लामा एम्बुलेन्सको आवश्यकता रहेको सम्बन्धमा, वाइ.सि.एल.को नाममा कुटपिट गरिएका घटनाहरूका वारेमा निष्पक्ष छानविन हुनुपर्ने सम्बन्धमा, वास्तविक द्वन्द पिडितले अझै राहत पाउन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल सम्बन्धी विधेयक संसदीय समितिमा थन्किएर रहेको कारण अस्पतालनै बन्द हुने अवस्थामा पुग्न लागेको छ भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री मोहनबहादुर वस्नेत | २. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| ३. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ४. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ५. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | ६. मा० श्री शिवबहादुर देउजा |
| ७. मा० श्री सरला रेग्मी | ८. मा० श्री अर्जुनजंग बहादुर सिंह |
| ९. मा० श्री सुशीला नेपाल | १०. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर |
| ११. मा० श्री कमानसिंह लामा | |

त्यसपछि मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित व्यहोराको पत्र पढेर सुनाउनु भयो:-

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले मौजूदा मन्त्रिपरिषद्मा आज संवत् २०६४ साल पौष १५ गते रोज १ का दिन देहायका महानुभावहरूलाई मन्त्रीमा नियुक्ति गरी देहाय बमोजिम कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

| क्र.सं. | नाम, थर | | कार्यविभाजन |
|---------|---------------------------------|---------|----------------------------------|
| १. | श्री कृष्णबहादुर महारा, | मन्त्री | सूचना तथा सञ्चार |
| २. | श्री देवप्रसाद गुरुङ्ग, | मन्त्री | स्थानीय विकास |
| ३. | श्री मातृकाप्रसाद यादव, | मन्त्री | वन तथा भू-संरक्षण |
| ४. | श्री हिसिला यमी, | मन्त्री | भौतिक योजना तथा निर्माण |
| ५. | श्री रमेश लेखक, | मन्त्री | श्रम तथा यातायात व्यवस्था |
| ६. | श्री ज्ञानेन्द्र बहादुर कार्की, | मन्त्री | जलस्रोत |
| ७. | श्री पम्फा भुसाल, | मन्त्री | महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण |

मिति :- २०६४/०९/१५

(डा० भोजराज घिमिरे)
मुख्य सचिव

तदुपरान्त राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री कुमार फुडुडले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले सभामा निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुंदा सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले सभामा निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुंदा सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरीराजमणि पोखरेलले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले सभामा निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुंदा सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस २० गते शुक्रवार दिनको ११:३० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २२, २३ र २४
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस २० गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- तराईमा नवगठित राजनैतिक दलले पन्ध्र दिने अल्टिमेटम सहित सरकार समक्ष प्रस्तुत गरेको मागलाई गम्भीरतापूर्वक लिइनुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, ने.क.पा.एमाले पार्टी जिल्ला कमिटी कास्कीका सदस्यलाई वाइ.सी.एल.का कार्यकर्ताहरूले कुटपिट गरेको सम्बन्धमा सरकारले आवश्यक कारवाही गरोस् भन्ने सम्बन्धमा, काभ्रे जिल्लाको च्याले गा.वि.स.मा एमालेका कार्यकर्ताले जनमोर्चा नेपालका नेतालाई अभद्र व्यवहार गरेको सम्बन्धमा, छिमेकी राष्ट्रले नेपाल भित्र कुनै न कुनै कारणले हलचल पैदा गरेर कुत्सित मनशाय पूर्ति गर्न खोजेको हो कि भन्ने सम्बन्धमा, नेपाल धर्म निरपेक्ष राज्य घोषणा भएपछि भारतीय हिन्दु अतिवादी र दरबार समर्थक भारतीयहरूले तराईका विभिन्न भागमा सिमा अतिक्रमणलाई तीव्रता दिएका छन् भन्ने सम्बन्धमा, माथिल्लो कर्णाली जलविद्युत आयोजना आफ्नै प्रविधि, सीप र प्राकृतिक श्रोत साधन प्रयोग गरी सम्पन्न गरिनु पर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, नेपालको राज्य संचालन सम्बन्धी नीतिको विषयमा विदेशी नेताले राय सुझाव दिनुको औचित्य नभएको भन्ने सम्बन्धमा, सांसदहरूले सदनमा उठाउँदै आएका विषयहरू संचार माध्यमबाट सही रूपमा प्रतिबिम्बित हुनुपर्नेमा सो नहुने गरेको भन्ने सम्बन्धमा, कन्चनपुर जिल्लाको टनकपुर व्यारेज नजिक ब्रम्हदेवमा र वनवासामा भारतीय विद्यार्थी र नेपाली नागरिकहरू बीच सिमा विवादको विषयलाई लिएर दुंगा हानाहान भएको र सो विवादले दुई देश बीचको सुमधुर सम्बन्ध विग्रने स्थित पैदा नगरोस् भन्ने तर्फ सरकार सजग रहनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, नेपाली राष्ट्रभाषाको रूपमा सबैले स्वीकार गरिसकेको भाषालाई खस भाषा भनेर होच्याउनु अनुचित भएको भन्ने सम्बन्धमा, कर्णाली जिल्लाको जलसम्पदाको बारेमा निर्णय गर्दा कर्णालीवासीको भावनालाई उपेक्षा नगरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, मेलम्ची खानेपानी आयोजनाबाट प्रभावित समूहको मागलाई सरकारले गम्भीरतापूर्वक लिनुपर्छ भन्ने सम्बन्धमा, मधेशको समस्यालाई मधेशकै आँखाले हेरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, बैतडी जिल्लामा स्थानिय संघ संस्था एवं निकायका जिम्मेवारीबाट हट्न अन्य पार्टीका कार्यकर्ताहरूलाई वाइ.सी.एल.का कार्यकर्ताहरूले दवाब दिइरहेका छन् भन्ने सम्बन्धमा, बाग्लुङ्ग जिल्लामा सरकारलाई जानकारी नदिइ भारतीय दुतावासबाट स्थानीय विद्यालयमा बजेट विनियोजन गरी कार्यक्रम संचालन गरिएको सम्बन्धमा, यासर्गुम्बाको तस्करीमा हेलिकोप्टर प्रयोग गरि नेपाली तस्करहरू नै सक्रिय रहेको तर्फ सरकारको ध्यान जाओस् भन्ने सम्बन्धमा र पर्यटकीय स्थल चितवनको सौराहामा बाढीले पटक-पटक क्षति पुऱ्याउने गरेकोले सरकारले नियन्त्रणको लागि प्रयास गर्नुपर्ने भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|------------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | २. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत |
| ३. मा० श्री कमानसिंह लामा | ४. मा० श्री हरि आचार्य |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ७. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | ८. मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| ९. मा० श्री सत्य पहाडी | १०. मा० श्री राजेन्द्र खरेल |
| ११. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | १२. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढामगर |
| १३. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | |

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले उक्त “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ मा० सभामुखले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि २६ सम्म “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपाल ट्रष्ट विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात् मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ मा० सभामुखले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ७ सम्म “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “हातहतियार खरखजाना (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक एक घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|---------------------------|
| १. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ३. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ४. मा० श्री कमानसिंह लामा |

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ४ सम्म “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन सम्बन्धी केही ऐन संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस २२ गते आइतबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २५
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस २२ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :-
भरतपुर-मेघौली सडक खण्ड रकम निकासको अभावमा पुरा हुन नसकेको सम्बन्धमा, सुनचाँदी व्यवसायीहरू माथिको पटकपटकको आक्रमण र हत्याले उनीहरूको सुरक्षाको ग्यारेण्टी नभएको भन्ने सम्बन्धमा, भारतसँग सीमा जोडिएका विभिन्न ६२ स्थानहरूमा भारतीयहरूबाट सिमा अतिक्रमण भएको बुझिएको र सो विषयलाई लिएर दुई देशबिचका नागरिकहरूबीच भिडन्तको स्थिति समेत पैदा गरेकोले सो विषयमा सरकारले यथाशीघ्र कुटनितिक पहल गरी समस्याको समाधान गर्नु पर्ने सम्बन्धमा, सिमा अतिक्रमणको विवादले गर्दा नेपालको भूगोलको सीमाङ्कनको विषयमा फेरी एकपटक अध्ययन गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ भन्ने सम्बन्धमा, महिला घरेलु हिंसा विरुद्धको विधेयक सदन समक्ष पेश गर्न ढिलाई गर्न नहुने भन्ने सम्बन्धमा, विद्युत चुहावट नियन्त्रण नगरी लोड सेडिङले मात्र विद्युत आपूर्तिको समस्या समाधान हुँदैन भन्ने सम्बन्धमा, छिन्चु-जाजरकोट सडक खण्डको निर्माण कार्य शुरु भएको धेरै वर्ष वितिसक्दा पनि सम्पन्न हुन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, संसदभित्र बोलेका कुराहरू सम्बन्धित पक्षबाट सुनुवाई एवं कार्यान्वयन नगरिँदा सांसद सदस्यहरूले बोलेका कुराहरू व्यवस्थापिका-संसदको रेकर्डमामात्र सिमित रहन गएको छ भन्ने सम्बन्धमा, चुनावी अभियानमा अन्तर्राष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरूले के कस्तो भूमिका खेलि रहेका छन् सो सम्बन्धमा छानविन हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, गा.वि.स. सचिवहरू पुनः हडतालमा उत्रिएको विषयमा सरकारलाई जानकारी गराइएको भन्ने सम्बन्धमा, सिराहामा अपहरण लगायत चोरी डकैती, हत्या, बलात्कारको समस्या समाधान नभएको भन्ने सम्बन्धमा, ३३ प्रतिशत महिला आरक्षणले गाउँका महिलाहरूलाई पनि समेट्न सक्नुपर्छ भन्ने सम्बन्धमा, पुर्वाञ्चलका दुर्गम पहाडि जिल्लाहरूमा खाद्यान्न संकट देखा परेको र उक्त समस्या समाधानको लागि स्थानिय जनताले रकम जम्मा गरी खाद्य संस्थानलाई बुझाएपछि मात्र सो क्षेत्रमा खाद्यान्न आपूर्ति गरिने नीति अत्यन्त अव्यवहारिक भएको भन्ने सम्बन्धमा, पुर्वि तराईका आन्दोलनरत जिल्लाहरूमा नेवार समुदायलाई लक्षित गरेर आक्रमण गर्ने प्रवृत्ति बढिरहेको भन्ने सम्बन्धमा, संविधानसभाको निर्वाचनको सुनिश्चितताका लागि उठिरहेका मागहरूलाई सम्बेदनशिल भएर हेरिनुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, नेपाल भारत सिमा विवाद सन् २००५ मा दुई देशबिच भएको सिमा सहमति बमोजिम सुल्झाउनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, पर्साको विरगंजस्थित भारतीय कन्सुलेट कार्यालयले पनि भारतीय दुतावासको अधिकार प्रयोग गरि काम गर्नु उचित नभएको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|--|
| १. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री लिला न्याइच्याई | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ८. मा० श्री भरतविमल यादव |
| ९. मा० श्री सितादेवी यादव | १०. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| ११. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | १२. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| १३. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा | १४. मा० श्री मञ्जु बम |

तदुपरान्त श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री लक्ष्मीदास मानन्धरले “ग्याँस तथा पेट्रोलियम पदार्थका सन्दर्भमा नेपाल आयल निगमको केन्द्रीय कार्यालय, थानकोट डिपो, क्षेत्रीय कार्यालयहरू विराटनगर, भैरहवा, विरगंज तथा अमलेखगंजको डिपोहरूको स्थलगत अध्ययन निरीक्षण भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री श्यामसुन्दर गुप्ताले “सार्क फुड बैंक स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement on Establishing the SAARC Food Bank) माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “सार्क फुड बैंक स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement on Establishing the SAARC Food Bank)” माथिको सामान्य छलफलमा सम्झौताको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा बोल्न मा० श्री लिला न्याइच्याईले भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात् मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री श्यामसुन्दर गुप्ताले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री श्यामसुन्दर गुप्ताले “सार्क फुड बैंक स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement on Establishing the SAARC Food Bank) माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री श्यामसुन्दर गुप्ताले “सार्क फुड बैंक स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement on Establishing the SAARC Food Bank) लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट अनुमोदन भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस २६ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २६
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस २६ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- तराइमा ऊखु खेती गर्ने किसानहरूले राखेका जायज मागहरूलाई सरकारले गम्भिरतापूर्वक लिनुपर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, सम्झौता अनुसार प्रमाणिकरण भैसकेका जनमुक्ति सेनालाई नेपाली सेनामा अविलम्ब समायोजन गर्नुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सात राजनैतिक दल बाहेकका अन्य प्रजातान्त्रिक शक्तिहरूको पनि राज्यबाट सुनुवाई हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, नापी विभागको तथ्याङ्क अनुसार ९८ प्रतिशत सीमा विवाद समाधान भैसकेको र सुस्ता र कालापानी क्षेत्रको मात्र केही किचलो रहेको भन्ने जानकारी प्राप्त भएको सही हो वा होइन भन्ने सम्बन्धमा, सीमा विवाद सुल्झाउने सम्बन्धमा राज्यको अग्रगामी सोच रहनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, तान चलाउने, धागो कान्ते एवं सीपयुक्त अन्य श्रममा लागेका महिलाहरूलाई श्रमको उचित मूल्य नदिई शोषण गरिएको छ भन्ने सम्बन्धमा, कमैया मुक्त गर्दा उसले जोतिरहेको खेत उसैलाई उपलब्ध गराई कमैया मुक्त नगराउँदा उल्टै जमिन्दारलाई मुक्त गराएको जस्तो देखिन आएको छ भन्ने सम्बन्धमा, सरकार प्रमुखबाट सेना समायोजनको विषयलाई लिएर नकारात्मक टिप्पणी आउँदा संविधान सभाको निर्वाचनलाई नै प्रभाव पार्न सक्ने सम्बन्धमा गरिएको टिप्पणीका सम्बन्धमा मा० प्रधानमन्त्रीले सदनलाई जानकारी दिनु पर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, नेपाल छुवाछुत मुक्त राष्ट्र घोषणा भएपछि पनि दलितलाई जताततै उपेक्षित गर्ने कार्य यथावत रहेको छ भन्ने गरिएको सम्बन्धमा, सुस्ता क्षेत्रको सीमा विवाद सम्बन्धमा संसदीय समितिबाट स्थलगत अध्ययन गर्दा छिमेकी राष्ट्रको असल नियत नरहेको देखिएको भन्ने सम्बन्धमा, सुस्ताक्षेत्रमा बसोवास गर्ने नेपाली किसानलाई भारतीयहरूले गुण्डा लगाएर खेदने कार्य गर्दै आएको छ भन्ने सम्बन्धमा, शान्ति सुरक्षाको स्थिति सँगसँगै महिलाहरूको सुरक्षाको स्थिति भन्नै भयावह हुँदै गइरहेको छ भन्ने सम्बन्धमा, संसदीय टोली भारतबाट भएको सीमा अतिक्रमण एवं बाँधहरूको निरिक्षणको क्रममा जाँदा नेपालका स्थानीय अधिकारीको लापरवाहीले निरिक्षण गर्ने कार्यबाट वञ्चित रहन गएको भन्ने सम्बन्धमा, कैलाली-कञ्चनपुरको वन क्षेत्र तीव्र रूपमा अतिक्रमण भैरहेको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेल | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री हरि आचार्य | ६. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ७. मा० श्री लिला न्याइच्याई | ८. मा० श्री असर्फी सदा |
| ९. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा | १०. मा० श्री वीरबहादुर लामा |
| ११. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर | १२. मा० श्री देवी खड्का |
| १३. मा० श्री हरि रोका | १४. मा० श्री बलावती शर्मा |

त्यसपछि मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले नेपाली भू-भागको संरक्षण र सुस्ता क्षेत्रको सीमा विवादबारे मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएका संवेदनशील विषयमा जानकारी गराउँदै नेपाल र भारत बीचको लामो सीमाना वैज्ञानिक आधारमा मापन गर्न, त्यसलाई व्यवस्थित गर्न र नेपाली भूमिको संरक्षण गर्न नेपाल सरकार सदैव कटिबद्ध छ । यसै क्रममा नेपाल सरकारले वैज्ञानिक रूपमा नेपाल भारत सीमा मापन गर्ने कार्यहरू सन् १९८१ देखि अघि बढाउँदै आएको छ । गत महिना मात्र नापी विभागका महानिर्देशकहरू बीचको द्विपक्षीय प्राविधिक समितिको बैठकले दुवै पक्षको सहमति र समझदारीमा नेपालको पूर्व देखि पश्चिम सम्मको करिब ९८ प्रतिशत सीमानाको नक्शा निरूपण गर्ने कार्य भैसकेको छ । सुस्ता र कालापानी क्षेत्र अर्भै विवादित रहेकोले सो क्षेत्रको दुवै पक्षलाई मान्य हुने प्रमाण, कागजात र नक्शाको खोजी गरी तिनिहरूको अध्ययन र छलफलको आधारमा सो विवादलाई पनि सुल्झाउने कार्यलाई तीव्रता दिने निर्णय भएको छ । सुस्ता क्षेत्रको भारतीय गतिविधिको सम्बन्धमा कुटनीतिक माध्यमबाट समयमै नेपाल सरकारले आफ्ना अडान राख्दै आएको छ भन्ने विषयमा सार्वजनिक महत्त्वको वक्तव्य दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले निम्नलिखित राजनैतिक दलबाट व्यवस्थापिका-संसद सदस्यमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने मा० सदस्यहरुको नेपालको अन्तरिम संविधान (संशोधन सहित), २०६३ को धारा ४८ को (क), (ग) र (ङ) बमोजिम रिक्त रहन गएको स्थानहरुमा नेपालको अन्तरिम संविधान (संशोधन सहित), २०६३ को धारा ४५ को उपधारा (५) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद सदस्यहरुको रिक्त स्थान पुर्ति गर्न व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्ने राजनैतिक दल एवं सम्बन्धित संसदीय दलको कार्यालयबाट मनोनयनका लागि प्राप्त नामहरु सम्बन्धी निम्नलिखित विवरण पढेर सुनाउनु भयो :-

व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य श्री महन्थ ठाकुर र श्री जयप्रकाश प्रसाद गुप्ताले व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य पदबाट राजीनामा गर्नुभएको कारण र व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालीन सदस्य श्री डिल्लीराज शर्माको निधन भएको कारणले रिक्त रहन गएको स्थानहरुमा नेपाली कांग्रेस संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६३/११/२४ को पत्रानुसार क्रमशः सर्लाही जिल्लाका श्री लक्ष्मण राय, सप्तरी जिल्लाका श्री नागेन्द्र झा र पर्वत जिल्लाका श्री ऋषिकेश तिवारीलाई व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदमा मनोनयन गर्न लेखि आएकोले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४५ को उपधारा ६ बमोजिम श्री महन्थ ठाकुर र श्री जयप्रकाश प्रसाद गुप्ता र श्री डिल्लीराज शर्माको नाम नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को अनुसूची -२ को खण्ड (क) बाट हटेको र उक्त खण्डमा श्री लक्ष्मण राय, श्री नागेन्द्र झा र श्री ऋषिकेश तिवारीको नाम क्रमशः वर्णानुक्रमानुसार समावेश भएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँछु ।

त्यसैगरी व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य श्री महेन्द्रप्रसाद यादवले व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट राजीनामा गर्नुभएको कारणले रिक्त रहन गएको स्थानमा मनोनयनका लागि ने.क.पा. एमाले केन्द्रिय कार्यालयको मिति २०६४/०९/२५ को पत्रानुसार सर्लाही जिल्लाका श्री रवीन्द्र बैठालाई व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदमा मनोनयन गर्न लेखि आएकोले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४५ को उपधारा ६ बमोजिम श्री महेन्द्रप्रसाद यादवको नाम नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को अनुसूची -२ को खण्ड (क) बाट हटेको र उक्त खण्डमा श्री रवीन्द्र बैठाको नाम वर्णानुक्रमानुसार समावेश भएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँछु ।

त्यस्तै व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य श्री नेत्रलाल श्रेष्ठलाई पार्टीको सदस्यताबाट हटाइएको राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६४/०३/२७ को पत्रानुसार रिक्त रहन गएको व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदमा सुनसरी जिल्लाका श्री नरेन्द्रकुमार चौधरीलाई, व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य श्री अजयप्रताप शाहको निधन भएको कारण रिक्त रहन गएको स्थानमा मनोनयनका लागि राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६४/०७/२७ को पत्रानुसार कपिलवस्तु जिल्लाका श्री अभिषेकप्रताप शाहलाई र व्यवस्थापिका-संसदका तत्कालिन सदस्य श्री रामचन्द्र रायले व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट राजीनामा गर्नुभएकोले उक्त रिक्त पदमा मनोनयनका लागि राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६४/०९/१२ को पत्रानुसार सर्लाही जिल्लाका श्री रासनारायण रायलाई व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदमा मनोनयन गर्न लेखि आएकोले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४५ को उपधारा ६ बमोजिम नेत्रलाल श्रेष्ठ, श्री अजयप्रताप शाह र श्री रामचन्द्र रायको नाम नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को अनुसूची -२ को खण्ड (क) बाट हटेको र उक्त खण्डमा श्री नरेन्द्रकुमार चौधरी, श्री अभिषेकप्रताप शाह र श्री रासनारायण रायको नाम क्रमशः वर्णानुक्रमानुसार समावेश भएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँछु ।

तत्पश्चात मा० श्री उर्वादत्त पन्तले “व्यवस्थापिका-संसदको नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति गठन गरियोस्” भनी समितिमा रहने निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नामावली सहितको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

| | | | |
|------------------------------|--------|----------------------------------|-------|
| १. मा० श्री रामबहादुर विष्ट | संयोजक | २. मा० श्री अमृता थापा | सदस्य |
| ३. मा० श्री कमानसिंह लामा | सदस्य | ४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ” |
| ५. मा० श्री गणेश शाह | ” | ६. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ” |
| ७. मा० श्री नवराज सुवेदी | ” | ८. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग | ” |
| ९. मा० श्री बेदुराम भुषाल | ” | १०. मा० श्री भरतविमल यादव | ” |
| ११. मा० श्री रेणुकुमारी यादव | ” | १२. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ” |
| १३. मा० श्री हरि आचार्य | ” | १४. मा० श्री हरिहर दाहाल | ” |

त्यसपछि मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेलले उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसदको नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति गठन गरियोस्” भन्ने नामावली सहितको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात कृषि तथा सहकारी समितिका मा० सदस्य श्री कुन्ता शर्माले “इलाम, भ्जापा, पाँचथर लगायतका क्षेत्रमा देखापरेको चियाको उत्पादन, प्रशोधन र बजारको समस्या र नवलपरासी जिल्लाको सुस्ता क्षेत्रमा भएको जग्गा अतिक्रमण सम्बन्धी समस्याको स्थलगत अध्ययन भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि कृषि तथा सहकारी समितिका मा० सदस्य श्री कुन्ता शर्माले “बीउबिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिका मा० सदस्य श्री सूर्यप्रसाद प्रधानले “नेपाल संस्कृत विश्व विद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस २८ गते शनिबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २७
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस २८ गते शनिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित व्यहोराको पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले मौजूदा मन्त्रिपरिषद्मा आज संवत् २०६४ साल पौष २६ गते रोज ५ का दिन देहायका महानुभावहरुलाई मन्त्री तथा राज्यमन्त्रीमा नियुक्ति गरी देहायबमोजिम कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

| क्र.स. | नाम, थर | | कार्यविभाजन |
|---------------------|-------------------------------------|--------------|------------------------------|
| १. | श्री रामचन्द्र यादव, | मन्त्री | सामान्य प्रशासन |
| २. | श्रीमती सुजाता कोइराला | मन्त्री | विना विभाग |
| ३. | श्री फरमूलाह मन्सुर, | मन्त्री | वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि |
| राज्यमन्त्री | | | |
| १. | श्री रामकुमार चौधरी, | राज्यमन्त्री | गृह |
| २. | श्रीमती महालक्ष्मी अर्याल, उपाध्याय | राज्यमन्त्री | जलस्रोत |
| ३. | श्री नागेन्द्रप्रसाद चौधरी, | राज्यमन्त्री | कृषि तथा सहकारी |
| ४. | श्री पदमबहादुर राई, | राज्यमन्त्री | भौतिक योजना तथा निर्माण |
| ५. | श्री नविनकुमार विश्वकर्मा, | राज्यमन्त्री | स्थानीय विकास |

मिति :- २०६४/०९/२६

(डा० भोजराज घिमिरे)
मुख्य सचिव

त्यसपछि मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले संविधान सभा सदस्य निर्वाचनलाई प्रमुख मुद्दा बनाएर राष्ट्र अगाडि बढिसकेको, पुरानो युग अन्त्य भएर नयाँ युगको संघारमा हामी आइपुगेका छौं र सबैको सामुहिक प्रयासले मात्रै लोकतान्त्रिक गणतन्त्रलाई संस्थागत गर्न सकिने हुँदा मधेस, पहाड सबै क्षेत्रका समस्या संविधान सभाको निर्वाचनले मात्रै समाधान हुने भएकोले आन्दोलनरत सबै समूहलाई निर्वाचनमा सहभागी हुन आह्वान गर्दछु भन्नुभयो । साथै निष्पक्ष, स्वतन्त्र र भयरहित वातावरणमा निर्वाचन सम्पन्न गराउनका लागि सरकारले आफ्नो क्षमताको उच्च परिचालन गर्दै यो कुनै पार्टी विशेषले बहुमत ल्याउने निर्वाचन नभई सबैको साझा उद्देश्य पूर्ति गर्ने निर्वाचन भएको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिका संयोजक मा० सदस्य श्री रामबहादुर विष्टले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात बेलबारी हत्याकाण्ड व्यवस्थापिका-संसदीय छानविन समितिका संयोजक मा० सदस्य श्री परी थापाले “बेलबारी हत्याकाण्ड छानविनको प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “बेलबारी हत्याकाण्ड छानविनको प्रतिवेदन, २०६४” को प्रति एकहप्ता भित्र मा० सदस्यहरुको लागि पिजन होलमा राखिने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री तारिणीदत्त चटौतले “न्यायाधीशहरुको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “साउथ एशिया युनिभर्सिटी स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement for Establishment of South Asian University) माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “साउथ एशिया युनिभर्सिटी स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement for Establishment of South Asian University)” माथिको सामान्य छलफलमा सम्झौताको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त सम्झौता माथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “साउथ एशिया युनिभर्सिटी स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement for Establishment of South Asian University) माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भन्ने प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “साउथ एशिया युनिभर्सिटी स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement for Establishment of South Asian University) लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट अनुमोदन भयो ।

त्यसपछि मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदनलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिले प्रस्तुत गरेको प्रतिवेदनमा शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालयद्वारा प्रस्तुत “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” लाई मूल रूपमा नै स्वीकार गरेकोले समितिको प्रतिवेदनलाई विधेयकको अंग बनाइरहनु नपर्ने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि १५ सम्म “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले “नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी राज्यमन्त्री श्री नागेन्द्रप्रसाद चौधरीले “कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदन सहितको बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदन सहितको बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि २१ सम्म “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी राज्यमन्त्री श्री नागेन्द्रप्रसाद चौधरीले “बीउ बिजन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल पुस ३० गते सोमबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २८ र २९
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल पुस ३० गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले तत्कालिन प्रतिनिधिसभाका सदस्य श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको हत्याकाण्ड छानविन संसदीय विशेष समितिमा राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको तर्फबाट प्रतिनिधित्व गर्नुहुने तत्कालिन सदस्य श्री रामचन्द्र रायले राजीनामा गर्नु भएको कारण रिक्त रहन गएको उक्त स्थानमा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री नरेन्द्रकुमार चौधरीलाई मनोनयनका लागि सम्बन्धित संसदीय दलबाट लेखी आएकोले उक्त पदमा उहाँलाई मनोनयन गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त अर्थ समितिका मा० सदस्य श्री भरतमोहन अधिकारीले “सम्पत्ति सुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिका मा० सदस्य श्री हरिभक्त अधिकारीले “बी.पी. कोईराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिका संयोजक मा० सदस्य श्री रामबहादुर विष्टले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” माथिको छलफल सदनमा गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ३ सम्मको दफाहरुको सम्बन्धमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ३ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ३ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समितिका संयोजक मा० सदस्य श्री रामबहादुर विष्टले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको न्यायाधीशहरुको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको न्यायाधीशहरुको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ र २ मा उल्लेखित संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ र २ मा उल्लेखित संशोधनहरू “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ र ३ “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त “अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” सम्बन्धी अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई “सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ४६ सम्म “सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनि लाउण्डरिङ) निवारण विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई “वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि १० सम्म “वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले “वी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल माघ २ गते बुधबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
तेस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ३०, ३१ र ३२
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल माघ २ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले हात उठाएर आ-आफ्नो भनाई राख्दै :- सरकारमा रहेका जिम्मेवार मन्त्रीले गैर जिम्मेवार एवं अन्तरिम संविधानको भावना विपरीतका अभिव्यक्ति दिएको सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचनको मिति घोषणा भई निर्वाचन आचार संहिता समेत लागू भैसकेको अवस्थामा केही पक्षबाट आफ्ना मागहरू पुरा नभएसम्म संविधान सभाको निर्वाचन हुन दिन्नौं भन्ने जस्ता आवाजहरू उठाईरहेको सम्बन्धमा, निर्वाचन क्षेत्र विकास कार्यक्रम मार्फत सांसदहरूलाई निर्वाचन क्षेत्र विकासको लागि उपलब्ध गराईएको रकमका सम्बन्धमा अनावश्यक भ्रम फैलाएको सम्बन्धमा, सुरक्षाको नाममा मधेशका सर्वसाधारणलाई विभिन्न तवरले आतंकित तुल्याउने गरिएको भन्ने सम्बन्धमा, ग्रामीण लघु जलविद्युत योजनालाई प्राथमिकता दिने नीति बनाइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, सम्झौता गरेर कार्यान्वयन गर्ने समयमा पछाडि फर्कने नीति लिन नहुने भन्ने सम्बन्धमा, नदी कटान र डुबान रोक्न तराईमा निर्माण गरिएका पुराना बाँधहरूको जिर्णोद्धार हुनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, जलस्रोतको उपयोगमा नेपाली लगानीकर्ताहरूलाई प्रोत्साहन गर्ने नीति लिनुपर्ने सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचन अधि नै दलितहरूको जायज मागका सम्बन्धमा सकारात्मक निर्णय लिनुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, सुस्ता अतिक्रमणबाट पिडित पक्षहरूको राष्ट्रियताको सवालमा उठाइएका मागहरू पुरा गर्नुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, २३ बुँदे समझदारीलाई पालना एवं कार्यान्वयन गर्न सबै पक्ष इमान्दार हुने हो भने संविधान सभाको निर्वाचन तोकिएको मितिमा निर्वाध सम्पन्न हुनसक्छ भन्ने सम्बन्धमा, द्वन्दकालीन अवस्थामा बन्द हुन पुगेका जिल्लास्थित सरकारी एवं अर्ध सरकारी कार्यालयहरू अझै पुनर्स्थापित हुन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, नेपालको फितलो राज्य संयन्त्र र लम्बिंदो संक्रमणकालीन अवस्थाको कारणले विदेशी शक्तिले हाम्रो भूमिको विषयमा टिका टिप्पणी गरिरहेका छन् भन्ने सम्बन्धमा, सीमा अतिक्रमण लगायत सीमानामा बगेका नदीहरू पनि छिमेकी राष्ट्रले एकलौटी रूपले प्रयोग गरिरहेको छ भन्ने सम्बन्धमा, तराईमा भइरहेको हत्या, हिंसा, चन्दा आतंकको समस्या अझै समाधान हुन नसकेको भन्ने सम्बन्धमा, वेपत्ता नागरिकको स्थिति सार्वजनिक गर्ने विषयमा सरकार संवेदनशील हुन नसकेको भन्ने जस्ता धारणाहरू प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|------------------------------------|---|
| १. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | २. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | ४. मा० श्री नरेन्द्रकुमार चौधरी |
| ५. मा० डा० प्रकाशशरण महत | ६. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ९. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | १०. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ११. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा | १२. मा० श्री अञ्जना विशंखे |
| १३. मा० श्री विरोध खतिवडा | १४. मा० श्री तिलक परियार |
| १५. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | १६. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य |
| १७. मा० श्री दामा शर्मा | १८. मा० श्री ओमप्रसाद ओझा |
| १९. मा० श्री टंकप्रसाद राई | २०. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी |
| २१. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | २२. मा० श्री सरला रेग्मी |
| २३. मा० डा० वंशीधर मिश्र | २४. मा० श्री सत्य पहाडी |
| २५. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | २६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |

त्यसपछि मा० शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले मधेशी जनअधिकार फोरम लगायत मधेश/तराईका विभिन्न समूहहरू, आदिवासी/जनजातिहरू, चुरे भावर प्रदेश एकता समाज नेपाल र वादी समुदाय लगायत विभिन्न समूहहरूबाट प्रस्तुत माग र सहमति एवं सम्झौताहरूको कार्यान्वयन स्थितिका सम्बन्धमा सदनलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २२९ बमोजिम वक्तव्य दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले तत्कालिन प्रतिनिधिसभाका सदस्य श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको हत्याकाण्ड छानविन संसदीय विशेष समितिमा नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) संसदीय दलको तर्फबाट प्रतिनिधित्व गर्नुहुने तत्कालिन सदस्य श्री धर्मनाथप्रसाद शाहको सट्टामा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री दानबहादुर चौधरीलाई मनोनयनका लागि सम्बन्धित संसदीय दलबाट लेखी आएकोले उक्त पदमा उहाँलाई मनोनयन गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ बमोजिम विशेष समिति र अन्य विषयगत समितिमा रहनुहुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नाम प्रस्ताव गर्नुहुँदा सभाले सहमति जनायो ।

१. मा० श्री रवीन्द्र बैठा भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समिति र शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन अनुगमन विशेष समिति ।
२. मा० श्री अभिषेकप्रताप शाह प्राकृतिक स्रोत र साधन समिति र राज्यको पुर्नसंरचना सम्बन्धी विशेष समिति ।
३. मा० श्री रासनारायण राय अर्थ समिति र आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सम्बन्धी विशेष समिति ।
४. मा० श्री नागेन्द्र भ्वा अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समिति र शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन अनुगमन विशेष समिति ।
५. मा० श्री नरेन्द्रकुमार चौधरी कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समिति र संसदीय सुनुवाई विशेष समिति ।
६. मा० श्री हरि आचार्य द्वन्द्वपीडित पुनर्स्थापना तथा राहत परिचालन अनुगमन विशेष समिति ।
७. मा० श्री लक्ष्मण राय प्राकृतिक स्रोत र साधन समिति र शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन अनुगमन विशेष समिति ।
८. मा० श्री ऋषिकेश तिवारी भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समिति र सुरक्षा विशेष समिति ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले मा० शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्रीले सदनलाई दिनुभएको जानकारीको प्रति मा० सदस्यहरूको पिजन होलमा राखिएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त अर्थ समितिका मा० सदस्य श्री विनयध्वज चन्दले “बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिका मा० सदस्य श्री बेदुराम भुषालले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रशासन सुधार अनुगमन समितिका मा० सदस्य श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डेले “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त “अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “बैङ्किङ कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” सम्बन्धी अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि २८ सम्म “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “बैङ्किङ्ग कसूर तथा सजाय विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त “शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदन सहितको पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा मा० श्री सुनिल प्रजापतिले भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” सम्बन्धी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ४२ सम्म “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले “पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ४:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदन सहितको सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदन सहितको सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाधिको छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त भएन, तसर्थ “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ४२ सम्म “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउनु हुँदै “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशनमा भए गरेका निम्नलिखित काम कारवाहीको जानकारी गराउनु भयो ।

- (१) व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशन २०६४ साल मंसिर ३ गते सोमबार प्रारम्भ भई आज २०६४ साल माघ २ गते बुधवारसम्म जम्मा ५९ दिन चालु रह्यो । जसमध्ये २१ दिनहरूमा ३२ पटक बैठक बसी जम्मा ३० घण्टा १० मिनेट खास कार्यमा व्यतित गर्‍यो ।
- (२) २०६४ साल मंसिर ३ गते मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “नेपाल ट्रष्ट अध्यादेश, २०६४” र “हातहतियार तथा खरखजाना (दोस्रो संशोधन) अध्यादेश, २०६४” पेश गर्नुभयो ।
- (३) यस अधिवेशनमा जम्मा ९ वटा सरकारी विधेयकहरू प्रस्तुत भएकोमा ८ वटा विधेयकहरू सभाबाट पारित भयो भने एउटा विधेयक अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयकलाई सभाबाट फिर्ता लिइयो ।

साथै व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम १३९ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा हस्तान्तरण भएका पुनर्स्थापित प्रतिनिधिसभाद्वारा विभिन्न समितिमा पठाइएको विचाराधीन ४ वटा विधेयकहरू मध्ये २ वटा विधेयक सभाबाट पारित भयो भने २ वटा विधेयकहरू विभिन्न समितिमा विचाराधीन अवस्थामै रहेका छन् । त्यस्तै व्यवस्थापिका-संसदको प्रथम अधिवेशनबाट विभिन्न समितिहरूमा विचारार्थ पठाइएको विचाराधीन २ वटा विधेयकहरू मध्ये एउटा विधेयक सभाबाट पारित भयो भने एउटा विधेयक सम्बन्धित समितिमा विचाराधीन रहेको छ । त्यसैगरी व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशनबाट विभिन्न समितिहरूमा विचारार्थ पठाइएको विचाराधीन २ वटै विधेयकहरू सभाबाट पारित भयो । यसरी यस अधिवेशनमा कुल १३ वटा विधेयकहरू पारित भए ।

- (४) यसैगरी २०६४ साल मंसिर ३ गतेको बैठकमा व्यवस्थापिका-संसदका निवर्तमान महासचिव श्री सूर्य किरण गुरुङ्गले दिनुभएको राजीनामा मा० प्रधानमन्त्रीले स्वीकृत गर्नु भएकोले व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयका सचिव श्री मनोहरप्रसाद भट्टराईलाई अर्को व्यवस्था नभए सम्मका लागि व्यवस्थापिका-संसदको कार्यवाहक महासचिव पदमा नियुक्त गरेको व्यहोरा जानकारी गराइयो ।
- (५) २०६४ साल मंसिर २५ गतेको बैठकमा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री महन्थ ठाकुर, मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव, मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी र मा० श्री रामचन्द्र रायको र २०६४ साल पुस ९ गतेको बैठकमा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ताको राजीनामा सम्बन्धी पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाइयो ।
- (६) त्यस्तै “अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको सत्रौं वार्षिक प्रतिवेदन, २०६३/०६४”, “लोक सेवा आयोगको अठ्चालिसौं वार्षिक प्रतिवेदन (आ.व. २०६३ श्रावण देखि २०६४ आषाढ मसान्त सम्म)” र “महालेखा परीक्षकको चवालीसौं वार्षिक प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गरियो ।

- (७) यसै अधिवेशनमा पाकिस्तानकी भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री बेनजीर भुट्टो र वर्तमान व्यवस्थापिका-संसद सदस्य श्री अजयप्रताप शाहको निधनमा शोक व्यक्त गर्दै शोक प्रस्तावहरू पारित भए ।
- (८) त्यस्तै शान्ति सम्झौता कार्यान्वयन विशेष समितिको अध्ययन निरीक्षण भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४, अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको स्थलगत अध्ययन निरीक्षण भ्रमणको प्रतिवेदन, २०६४, श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको स्थलगत अध्ययन निरीक्षण भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४, कृषि तथा सहकारी समितिको स्थलगत अध्ययन भ्रमण प्रतिवेदन, २०६४ र बेलबारी हत्याकाण्ड व्यवस्थापिका-संसदीय छानवीन समितिको “बेलबारी हत्याकाण्ड छानवीनको प्रतिवेदन, २०६४” सदन समक्ष पेश गरियो ।
- (९) यसै अधिवेशनमा मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले २०६४ साल पुस ८ गते सात राजनीतिक दलका शिर्ष नेताहरू बीच सम्पन्न २३ बुँदे सहमतिको विवरण र मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले २०६३ माघ १ गतेदेखि २०६४ कार्तिक मसान्तसम्म वैदेशिक सहयोग सम्बन्धमा भएका सम्झौताहरूको विवरण पेश गर्नुभयो ।
- (१०) २०६४ साल पुस १३ गतेको बैठकमा “नेपालको अन्तरिम संविधान (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” लाई व्यवस्थापिका-संसद नियमावली २०६३ को नियम १३८ को उपनियम (४) बमोजिम मत विभाजन प्रक्रियाद्वारा व्यवस्थापिका-संसदको तत्काल कायम रहेका ३२१ सदस्य संख्याको दुईतिहाई बहुमत अर्थात् २७० मतबाट संशोधन सहित पारित गरियो ।
- (११) त्यस्तै प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट विभिन्न मितिमा प्राप्त मन्त्रिपरिषद्को विस्तार, हेरफेर र राजिनामा स्वीकृति सम्बन्धी पत्रको व्यहोरा सभालाई जानकारी गराइयो ।
- (१२) २०६४ साल पुस २२ गतेको बैठकमा “सार्क फुड बैंक स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement on Establishing the SAARC Food Bank)” र २०६४ साल पुस २८ गतेको बैठकले “साउथ एशिया युनिभर्सिटी स्थापना गर्ने सम्झौता (Agreement for Establishment of South Asian University)” सर्वसम्मतिले अनुमोदन गर्‍यो ।
- (१३) यसैगरि व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्ने नेपाली कांग्रेसका तीनजना, नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (ए.मा.ले.) का एकजना र राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीका तीनजना व्यवस्थापिका-संसद सदस्यहरूको पद विभिन्न कारणले रिक्त रहेकोमा उक्त पद पूर्तिका लागि सम्बन्धित राजनैतिक दलले मनोनयनका लागि सिफारिश गरेका नामहरू २०६४ साल पुस २६ गतेको बैठकमा पढेर सुनाइयो र २०६४ साल पुस ३० गतेको बैठकमा तत्कालिन मा० सदस्य श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको हत्याकाण्ड सम्बन्धमा गठित व्यवस्थापिका-संसदीय छानवीन समितिमा रिक्त रहेको स्थानमा मा० श्री नरेन्द्रकुमार चौधरीलाई र २०६४ साल माघ २ गतेको बैठकमा सोही समितिका तत्कालिन मा० सदस्य श्री धर्मनाथप्रसाद शाहको सट्टामा व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री दानबहादुर चौधरीलाई मनोनयन गरियो ।
- (१४) २०६४ साल पुस २६ गतेको बैठकमा “व्यवस्थापिका-संसदको नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति गठन गरियोस्” भनी समितिमा रहनुहुने मा० सदस्यहरूको नाम सहितको प्रस्ताव प्रस्तुत गरेकोमा २०६४ साल पुस २८ गतेको बैठकमा “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” पेश गरी २०६४ साल पुस ३० गतेको बैठकमा उक्त प्रतिवेदन सर्वसम्मतिबाट पारित गरियो ।
- (१५) यसैगरी २०६४ साल माघ २ गते व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ बमोजिम विशेष समिति र अन्य विषयगत समितिमा रहनुहुने मा० सदस्यहरूको नामावलीलाई सभाले सहमति जनायो ।
- (१६) २०६४ साल माघ २ गतेको बैठकमा मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २२९ बमोजिमको वक्तव्य दिनुभयो ।
- (१७) त्यस्तै सभामुखद्वारा मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएका विविध विषयमा सरकार एवं सम्बन्धित पक्षलाई विभिन्न मितिमा ध्यानाकर्षण एवं निर्देश गराइयो ।
- (१८) यसै अधिवेशनमा मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेल, मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधान र मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले विभिन्न मितिमा सार्वजनिक महत्वका विषयहरूमा वक्तव्य दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले अधिवेशन समापनको अवसरमा मन्तव्य दिनुहुँदै जनआन्दोलन पछिको पुनर्स्थापित प्रतिनिधि सभा देखि व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशनसम्म हामीले राष्ट्रको हितको लागि थुप्रै निर्णय गरिसकेका छौं, महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धिहरू हासिल गरेका छौं, निरंकुशताका अवशेषहरूलाई समाप्त पारेका छौं । प्रतिनिधि सभा घोषणा लगायत नेपालको अन्तरिम संविधानमा संघात्मक शासन प्रणाली एवं गणतन्त्रात्मक राज्य रहने र धर्म निरपेक्ष राज्य हुने कुरा उल्लेख गरिनु अर्को ऐतिहासिक उपलब्धि रहेको छ । यी उपलब्धिहरूलाई संस्थागत गर्दै जान र संघात्मक एवं गणतन्त्रात्मक नेपाल निर्माण गर्न र त्यसलाई मूर्त रूप दिन नयाँ संविधान प्राप्त गर्न जरुरी छ । सात राजनैतिक दलबीच सुमधुर, व्यवस्थित र ठोस सम्बन्ध कायम गरी अहिलेसम्मको अनुभवलाई आत्मसात गरेर हरेक चुनौतिहरूलाई अवसरका रूपमा ग्रहण गर्दै यही मान्यतामा उभिएर संविधान सभाको निर्वाचन भयरहित वातावरणमा सम्पन्न गर्न एक ढिक्का भएर अगाडि बढ्न सम्बन्धित सबै पक्षलाई आग्रह गर्दछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले मा० प्रधानमन्त्रीबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाउनु भयो ।

“नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदका माननीय सभामुखको परामर्शमा व्यवस्थापिका-संसदको चालू तेस्रो अधिवेशन सम्वत् २०६४ साल माघ २ गते बुधवारका दिन बेलुकी ९:०० बजेदेखि अन्त्य गरेको छु ।”

मिति :- सम्वत् २०६४ माघ २

(गिरिजाप्रसाद कोइराला)
प्रधानमन्त्री

तदनन्तर व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो अधिवेशन आजै बेलुकी ९:०० बजेबाट स्वतः अन्त्य हुने गरी स्थगित भयो ।

मनोहरप्रसाद भट्टराई
कार्यवाहक महासचिव